www.mumbaitarang.com
RNI No. MAHHIN/2020/78591

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-02 ❖ मुंबई ❖ रविवार 03 से 09 जनवरी 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
सुशांत केस पर बोले कमिश्नर परमबीर सिंह- मुंबई पुलिस जैसा ही होगा CBI जांच का नतीजा

पेज 5
दस्तावेज लगाकर किसी ने फाइनेंस करा ली स्कूटी, किश्त के लिए फोन आया तो उड़े होश

पेज 7
पति से बड़ी हैं श्वेता त्रिपाठी, पर ससुर के दोस्त ने देखते ही कहा- बेटे के मुकाबले काफी कम है उम्र

पेज 8
ठाणे बना नंबर वन!... 623 पर हुई कार्रवाई...नशे में चला रहे थे वाहन

मुंबई पुलिस के बहाने उद्धव का विरोधियों पर निशाना, बोले- बदनाम करने वालों के अब मुंह बंद

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यह कहते हुए मुंबई पुलिस की तारीफ की कि कोई भी उसकी कार्यकुशलता पर सवाल नहीं खड़ा कर सकता और वह किसी को उसकी छवि नहीं बिगाड़ने दे सकते।

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को यह कहते हुए मुंबई पुलिस की तारीफ की कि कोई भी उसकी कार्यकुशलता पर सवाल नहीं खड़ा कर सकता और वह किसी को उसकी छवि नहीं बिगाड़ने दे सकते। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान आम आदमी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगे आकर मोर्चा संभाला। वह मुंबई के पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां लोगों को उनके वे सामान लौटाए जा रहे थे, जिन्हें चोरी के बाद पुलिस ने बरामद किए थे।

मुंबई पुलिस की उपलब्धियों का कोई अंत नहीं मुख्यमंत्री ने कहा,

'मुंबई पुलिस की उपलब्धियों का कोई अंत नहीं है और उसकी यह परंपरा 150 वर्ष पुरानी है। इस लंबी परंपरा और कार्यकुशलता के रहते कोई कितना ही प्रयास क्यों न कर ले, वह उसकी छवि नहीं धूमिल कर पाएगा और (मैं वादा करता हूं कि यदि कोई ऐसा करने का प्रयत्न करता है तो मैं उसे होने नहीं दूंगा।'

मुंबई पुलिस को बदनाम करने वालों के मुंह बंद

उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने मुंबई पुलिस को बदनाम करने की कोशिश की, उसके मुंह बंद हो गये क्योंकि पुलिस की उपलब्धियां प्रचुर हैं।' ठाकरे ने कहा, 'महामारी के दौरान पुलिस ने कठोर मेहनत की, जिसके चलते कई हजार कर्मी संक्रमित भी हो गए, कई तो कर्तव्यपथ पर शहीद भी हो गए।' उन्होंने कहा कि पुलिस और अन्य अग्रिम कर्मी ही हैं, जिनके कारण कोविड-19 नियंत्रण में आया।

मुंबई में कोरोना वैक्सीनेशन की क्या होगी प्रक्रिया

किसका पहले होगा टीकाकरण, बीएमसी ने बताया

मुंबई, ऑक्सफर्ड व पुणे के सिरम इंस्टिट्यूट द्वारा बनाए गए कोविशील्ड वैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजूरी के बाद वैक्सीनेशन को लेकर बीएमसी की हलचल बढ़ गई है। वैक्सीनेशन को लेकर मुंबई में की गई तैयारी का जायजा शनिवार को बीएमसी के आला अफसरों ने लिया।

इस निरीक्षण के बाद बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकाणी ने कहा कि आठ केंद्रों पर सवा लाख स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना वैक्सीन का डोज देने की पुख्ता व्यवस्था की गई है। इन केंद्रों पर दो शिफ्ट में कोरोना वैक्सीन का डोज दिया जाएगा।

मुंबई में कोरोना वैक्सीनेशन की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में सवा लाख स्वास्थ्यकर्मियों को, दूसरे चरण में पुलिस, सफाई कर्मचारी, परिवहन कर्मचारी, फ्रंट लाइन कर्मचारी और तीसरे चरण में 50 से अधिक उम्र और अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकाणी ने बताया कि कोरोना वैक्सीनेशन के लिए केंद्रों पर 2500 कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा।

ऐसी होगी व्यवस्था

सुरेश काकाणी ने बताया कि घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में वैक्सीनेशन के लिए 4 यूनिट बनाई गई हैं। यहां रोजाना 500 लोगों को वैक्सीन दी जा सकेगी। इसके अलावा कूपर अस्पताल में 7 यूनिट बनाई गई हैं, जहां रोजाना एक हजार लोगों को वैक्सीन मिल सकेगी।

इसी तरह की व्यवस्था सायन, नायर, केईएम, भाभा और कांदिवली के भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अस्पताल में की गई है। बीएमसी ने इन केंद्रों में रोजाना 10 हजार से अधिक लोगों को वैक्सीन डोज देने का लक्ष्य रखा है।

जनता ने ऊर्जा राज्य मंत्री से पूछा- बिजली उपभोक्ताओं को कब मिलेगा न्याय

मुंबई, कोरोना काल में बिजली के आए अधिक बिलों से आम आदमी के सिर से परेशानी का भूत उतरा नहीं है। उन्हें राहत देने के लिए ठाकरे सरकार ने आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली है। दहिसर में आयोजित जनता दरबार में ऊर्जा राज्य मंत्री प्राजक्त तनपुरे से आम आदमी ने फिर यही सवाल किया। उन्होंने जल्द राहत दिलाने का वादा किया है। एनसीपी मुंबई हिंदी भाषी विभाग के अध्यक्ष मनीष दुबे ने लोगों की समस्याएं दूर करने के लिए दहिसर पश्चिम के फ्रेंड्स बैंक्वेट में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में राज्य के नगर विकास एवं ऊर्जा राज्य मंत्री प्राजक्त तनपुरे के सामने बिजली उपभोक्ताओं ने राहत देने की मांग की। जनता दरबार में आए लोगों ने राज्य मंत्री तनपुरे से कहा कि, कोरोना काल के दौरान उनके घरों के बिजली बिल बहुत ज्यादा आए। उस दौरान दुकानें व कार्यालय बंद थे, फिर भी उन्हें भारी बिल भेजा गया। सवाल उठना लाजिमी है कि जब दुकान व कार्यालय बंद थे, तब बिजली के बिल ज्यादा कैसे आ सकते हैं?

मकानों के बिल भी तीन से चार गुना जाए, जबकि उस दौरान एसी तो बंद थे। बिजली बिलों में राहत देने तथा लोगों की समस्याएं हल करने के लिए जनता दरबार में सरकारी बिजली कंपनी, टाटा और अडानी के प्रतिनिधि भी आए थे। तमाम लोगों की समस्याओं को निवारण किया गया, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। हालांकि, राज्य मंत्री तनपुरे ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी समस्याएं हल करने के लिए ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत और ऊर्जा विभाग के सचिव असिम गुप्ता से चर्चा करेंगे और उनकी पूरी कोशिश होगी कि लोगों को राहत मिले। इस मौके पर एसआरए और इमारत विकास से संबंधित समस्याएं से घिरे लोगों ने अपनी समस्याएं रखी। हिंदी भाषी विभाग के मुंबई अध्यक्ष तथा कार्यक्रम के संयोजक मनीष दुबे, जिला अध्यक्ष इंद्रपाल सिंह, दिनकर तावडे, राजीव दुबे, जितेंद्र गुप्ता, इंदल सरोज, कुसुम सिंह, नवसाद अकरम, अनिल वर्मा सहित तमाम लोगों ने जनता दरबार के आयोजन में और वहां आए लोगों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वसई-विरार में टैक्स नहीं तो पानी नहीं

महानगरपालिका ने दी चेतावनी

कोरोना महामारी के दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रहे वसई विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में रहने वाले लोगों पर वीवीएमसी ने एक और नई मुसीबत खड़ी कर दी है।

मुंबई, कोरोना महामारी के दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रहे वसई विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में रहने वाले लोगों पर वीवीएमसी ने एक और नई मुसीबत खड़ी कर दी है। लॉकडाउन से जिन लोगों ने अपने पानी का बिल नहीं भरा, उसके लिए मनपा आयुक्त ने नया आदेश जारी किया है।

31 जनवरी तक पानी के कर का भुगतान करने के निर्देश

आयुक्त ने 31 जनवरी तक पानी के कर का भुगतान करने को कहा है। अन्यथा पानी का कनेक्शन काट दिए जाने की चेतावनी दी है। साथ ही, वही कनेक्शन दोबारा जोडऩे के लिए 2500 रुपए प्रति कनेक्शन के रूप में वसूल किए जाने की बात मनपा ने कही है।

पानी का कनेक्शन काटेगी महानगरपालिका

मिली जानकारी के अनुसार वसई विरार शहर मनपा क्षेत्र के जिन लोगों का साल 2020 के पानी का बिल बकाया है वे जल्द से जल्द बिल का भुगतान कर दें। नही तो मनपा उनका पानी कनेक्शन काट देगी। वसई विरार मनपा ने लोगों से आह्वान किया है कि 31 जनवरी 2021 तक बिल भर दें। अगर इस अवधि में बिल का भुगतान नहीं हुआ, तो पानी कनेक्शन काट दिया जाएगा।

दोबारा जोड़ने के लिए देना होगा ढाई हजार

कनेक्शन कट जाने के बाद वहीं कनेक्शन को दोबारा जोड़ने के लिए ढाई हजार रुपये का खर्च अलग से देना होगा। उल्लेखनीय है कि वसई विरार में समय पर टैक्स नहीं भरने से मनपा की तिजोरी खाली पड़ी है, जिससे कई विकास कार्य ठप पड़े हैं।

नए साल के मौके पर शराब पीकर गाड़ी चलाते पकड़े गए 35 लोग

नववर्ष के जश्न के मौके पर मुम्बई में 35 लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया। हालांकि पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले में यह आंकड़ा काफी कम है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले साल नए वर्ष के मौके पर 677 लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया था और अदालत ने छह महीने के लिए उनका लाइसेंस रद्द कर दिया था।

उन्होंने कहा, 'इस साल, केवल 35 लोग शहर में शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए। यह संख्या पिछले कुछ वर्षों की तुलना में काफी कम है।' पुलिस ने बताया कि कोरोना वायरस के मद्देनजर रात को लगे कर्फ्यू के कारण अधिकतर लोगों ने घर में ही नव वर्ष का जश्न मनाया। वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए नए साल की पूर्व संध्या पर शहर में कई स्थानों पर मुम्बई यातायात पुलिस के कर्मी तैनात किए गए थे।

उन्होंने कहा, 'वैश्विक महामारी के कारण यातायात पुलिस ने 'ब्रेथ एनालाइजर का इस्तेमाल ना करने का निर्णय किया था। इस कारण वाहन चालकों के रक्त के नमूनों की जांच की गई।' उन्होंने बताया कि रक्त के नमूनों की जांच में 35 चालकों के नशे में होने की बात सामने आई। अधिकारी ने कहा, 'इसी के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।' गौरतलब है कि मुम्बई में पांच जनवरी तक रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक का कर्फ्यू लगा है।

स्टैंप ड्यूटी में छूट ने बढ़ाई सरकार की कमाई

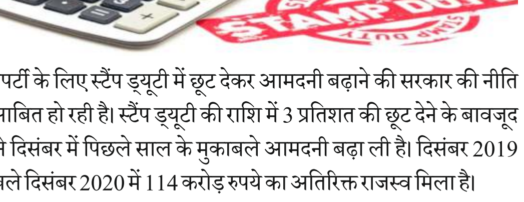

मुंबई, प्रॉपर्टी के लिए स्टैंप ड्यूटी में छूट देकर आमदनी बढ़ाने की सरकार की नीति कारगर साबित हो रही है। स्टैंप ड्यूटी की राशि में 3 प्रतिशत की छूट देने के बावजूद सरकार ने दिसंबर में पिछले साल के मुकाबले आमदनी बढ़ा ली है। दिसंबर 2019 के मुकाबले दिसंबर 2020 में 114 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिला है।

प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के माध्यम से 31 दिसंबर 2020 शाम 6 बजे तक सरकार को 810 करोड़ 15 लाख 21 हजार 157 रुपये की आमदनी हुई है। वहीं, दिसंबर 2019 में 696.35 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। 3 प्रतिशत छूट का फायदा लेने के लिए पिछले दिसंबर की अपेक्षा इस दिसंबर को मुंबई में 1,368 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। मुंबई रजिस्ट्रेशन विभाग के मुताबिक, दिसंबर 2019 में शहर और उपनगर में कुल 31,683 रजिस्ट्रेशन हुए थे, वहीं इस महीने शहर में 8,866 और उपनगर में 24,185 समेत कुल 33,051 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। नवंबर 2020 में 35,028 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन से सरकार को 365.27 करोड़ रुपये कमाई हुई थी, वहीं नवंबर 2019 में 29,107 रजिस्ट्रेशन से 584.84 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है।

मुंबई में New Year Eve पर NCB का छापा, बड़े अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़, किलोभर नशीली दवा जब्त

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में नए साल पर एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने इस दौरान एक किलो से ज्यादा का ड्रग जब्त किया है। मामले में बड़े मास्टरमाइंड का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

मुंबई, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में नए साल पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की जोनल यूनिट ने अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। New Years Eve पर एनसीबी की ओर से की गई छापेमारी में 1.134 किलो पार्टी ड्रग भी सीज किया गया है। यूनिट के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी है। बता दें कि देश की कमर्शल राजधानी मुंबई में ड्रग्स के गोरखधंधे पर लगाम लगाने के लिए जोर-शोर से कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में कई मशहूर फिल्मी हस्तियों से भी पूछताछ की जा चुकी है।

मादक पदार्थ निरोधक एजेंसी एनसीबी की मुंबई जोनल यूनिट (एमजेडयू) के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने कहा कि खुफिया जानकारी के बाद, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की एक टीम ने ठाणे से सटे मुंबई के उपनगरीय इलाके और नवी मुंबई के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। छापे के दौरान 100 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) और 1.034 किलोग्राम साइकोट्रोपिक ड्रग्स बरामद की गई, जबकि 4 ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया गया। एनसीबी ने कुर्ला, अंधेरी, वसोर्वा और नवी मुंबई में ऑपरेशन को अंजाम दिया, जहां ये ड्रग्स पैडलर लंबे समय से सक्रिय थे और वे एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा हैं।

रैकेट में शामिल मास्टरमाइंड की तलाश जारी

मेफेड्रोन या एमडी एक सिंथेटिक उत्तेजक ड्रग्स है, जो आमतौर पर रेव पार्टियों में इस्तेमाल में लाया जाता है। वानखेड़े ने कहा कि गिरफ्तार किए गए पैडलर्स के स्थानीय लिंक का पता लगाने और नए साल में पदार्फाश हुए रैकेट में शामिल मास्टरमाइंडों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। चल रहा ऑपरेशन एनसीबी-एमजेडयू के प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें मुंबई में ड्रग्स के गोरखधंधे पर लगाम कसने के लिए पिछले कुछ दिनों से जोर-शोर से कार्रवाई जारी है।

मादक पदार्थों के मामलों की जांच में कई प्रसिद्ध बॉलीवुड हस्तियों से भी पूछताछ की जा चुकी है। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की 14 जून 2019 को हुई मौत के बाद ड्रग्स ऐंगल से एनसीबी की जांच जारी है।

बड़ी पहल का मौका

साल 2021 की शुरुआत इस मायने में भी अहम है कि इसी 1 जनवरी से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दो साल का कार्यकाल शुरू हो गया है। हालांकि यह इस तरह का कोई पहला मौका नहीं है। भारत इससे पहले भी सात बार सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना जा चुका है। आजादी के ठीक बाद पचास के दशक से ही इसकी शुरुआत हो गई थी। पहली बार 1950-51 में दो वर्षीय कार्यकाल पूरा करने के बाद से प्राय: हर दशक में भारत को सुरक्षा परिषद की सदस्यता मिलती रही है। सत्तर के दशक में तो दो बार (72-73 और फिर 77-78) यह मौका आया। जाहिर है, सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता अपने आप में कोई निर्णायक बात नहीं है। खास बात उन परिस्थितियों में है जिनमें भारत को इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्था के जरिये अपनी भूमिका निभाने का यह मौका मिल रहा है। ध्यान रहे, सुरक्षा परिषद की सदस्यता में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा जाता है, लेकिन उसके लिए

बाकायदा चुनाव होता है और किसी भी देश के चुने जाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में दो तिहाई बहुमत जरूरी होता है। भारत को इस बार 193 सदस्यीय महासभा में 184 वोट मिले थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत की सुरक्षा परिषद सदस्यता से दुनिया की कितनी उम्मीदें जुड़ी हैं। यह दौर है भी ऐसा जिसमें कोरोना महामारी और अर्थव्यवस्था की तबाही ने पूरी दुनिया को बेहाल कर रखा है। इसके अलावा आतंकवाद जैसी पुरानी समस्या तो संयुक्त राष्ट्र का सिरदर्द बनी ही हुई है, हाल के दिनों में बढ़ती राष्ट्रवादी आक्रामकता भी अंतरराष्ट्रीयता की भावना के लिए खासी नुकसानदेह साबित हो रही है। अमेरिका समेत विभिन्न देशों के संकीर्ण रवैये से संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्था के लिए गुंजाइश लगातार कम हुई है। ऐसे में एक परिपक्व लोकतंत्र के नाते भारत सुरक्षा परिषद में अपनी सकारात्मक भूमिका के जरिए बहुपक्षीयता को बढ़ावा देते हुए संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता नए सिरे से स्थापित करने में मददगार हो सकता है।

भारत सुरक्षा परिषद का ऐसा एकमात्र सदस्य होगा जो इस समय खुद दो-दो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर फौजों के जमावड़े से घिरा है। यह जहां उसकी स्थिति की जटिलता को बढ़ाता है, वहीं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विवादों को शांति और सामंजस्यपूर्ण बातचीत से सुलझाने की उसकी कोशिशों को ज्यादा जेनुइन भी बनाता है। ध्यान रहे, भारत इधर काफी समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का विस्तार करने की मांग के साथ उसके लिए अपनी दावेदारी जताता रहा है। कई अन्य देश उसका समर्थन भी करते रहे हैं। दो वर्षों का यह कार्यकाल इस लिहाज से अहम है कि इस दौरान अगर भारत सुरक्षा परिषद के जरिये प्रमुख प्रश्नों पर सार्थक पहलकदमी ले सका तो न केवल दुनिया को इस कठिन दौर से निकलने में आसानी होगी, बल्कि स्थायी सदस्यता का भारतीय दावा भी और पुख्ता होगा।

कोरोना से जुड़े सवाल

संजय शर्मा

कुछ घंटों का मेहमान रह गया साल 2020 जिस अकेली वजह से इतिहास में दर्ज करने लायक माना जाएगा, वह है कोरोना वायरस। महामारियों ने वैसे तो

कई बार मानव इतिहास की धारा मोड़ी है, पर इतनी तेजी से फैलकर महीनों-महीनों पूरी दुनिया का चक्का जाम कर देने वाली किसी बीमारी का जिक्र सुदूर अतीत में भी कहीं दर्ज नहीं मिलता। तथ्यों पर जाएं तो कोरोना वायरस का इंसानी शरीर में संक्रमण पिछले साल ही हो गया था, लेकिन महामारी के रूप में अपना वीभत्स चेहरा इसने इसी साल दिखाया। भारत में कोरोना संक्रमण का पहला केस 30 जनवरी को सामने आया और अभी, दिसंबर के आखिर में जब प्रतिदिन आने वाले नए मामलों में उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है, तब ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में इस वायरस के बड़े रूपांतरण की खबरों ने सबको एक बार फिर सकते में डाल दिया है।

तमाम सावधानियों के बावजूद ब्रिटेन में चिह्नित नए वायरस से संक्रमण के मामले भारत पहुंच चुके हैं और यहां अब तक 20 ऐसे मामलों की पुष्टि हो चुकी है। जाहिर है, इन नए संक्रमणों को ध्यान में रखते हुए कोरोना से बचाव की रणनीति की नए सिरे से समीक्षा करनी पड़ेगी। बहरहाल, इस एक साल के दौरान अदृश्य दुश्मन से ठनी इस लड़ाई में संघर्ष, साहस और वैज्ञानिक कौशल की एक से एक मिसालें देखने को मिलीं। एक तरफ वैज्ञानिक इसका तोड़ निकालने में जुटे रहे, दूसरी ओर

चिकित्साकर्मियों, सफाईकर्मियों और पुलिसकर्मियों समेत पूरा सरकारी अमला दिन-रात बीमारों को बचाने और आवश्यक सेवाएं जारी रखने में जुटा रहा। त्याग और बलिदान की ऐसी कहानियां हर देश से आती रहीं। खासकर भारत के संदर्भ में देखा जाए तो यहां लॉकडाउन का फैसला अपरिहार्य था, लेकिन इसने बड़े शहरों में काम करने वाले लाखों मजदूरों और उनके परिवारों के लिए मुश्किलों का पहाड़ खड़ा कर दिया। उस स्थिति में कोई और हल न पाकर लाखों लोग जिस तरह से अपने बच्चों की उंगली पकड़े सैकड़ों किलोमीटर की दूरी पैदल नापते हुए अपने-अपने गांव पहुंचे, वह भारत के श्रमजीवी समाज की बेचारगी और जिजीविषा, दोनों का ही प्रत्यक्ष प्रमाण है। दुनिया के स्तर पर देखें तो यह वायरस अब तक सवा आठ करोड़ लोगों को संक्रमित कर चुका है और 18 लाख से ज्यादा लोग इसकी वजह से मौत के मुंह में जा चुके हैं। यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि इस बीमारी ने किसी एक देश में सबसे ज्यादा कहर ढाया तो वह है विश्व का सबसे विकसित और ताकतवर समझा जाने वाला देश अमेरिका। वहां

2 करोड़ लोग इससे संक्रमित हुए हैं और मरने वालों की संख्या भी साढ़े तीन लाख के पार जा रही है। इससे सीधा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि हमने विकास के जो मानक तय कर रखे हैं वे कितने उपयुक्त हैं और स्वास्थ्य का जो ढांचा खड़ा किया है वह कितना कारगर है। बीतता साल ये दोनों सवाल हमारे सामने छोड़कर जा रहा है। आगे की राह हम इनके सही जवाबों की रोशनी में तय करें तो बेहतर होगा।

फास्टैग नाम भर का, काम तो स्लोटैग लगता है

जिगर डी वाढेर

देश के सभी टोल प्लाजा पर आज से इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह डिवाइस यानी फास्टैग अनिवार्य किया जा रहा है। इसके लिए इसी साल 1 अप्रैल से थर्ड पार्टी बीमा कराने के लिए भी फास्टैग का होना अनिवार्य किया गया है। आने वाले दिनों में आरटीओ स्तर से होने वाले वाहन संबंधी विभिन्न कार्यों जैसे रजिस्ट्रेशन, परमिट वगैरह के लिए भी फास्टैग अनिवार्य किया जा रहा है। ये सारे उपाय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली के जरिए टोल टैक्स भुगतान प्राप्त करने के लिए किए जा रहे हैं।

फिलहाल रोजाना लगभग 92 करोड़ रुपये की आय फास्टैग से हो रही है। अनुमान है कि 1 जनवरी के बाद से यह आय 130 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच जाएगी। यह विकल्प नहीं है कि किसी वाहन को टोल प्लाजा से गुजरना है या नहीं। आप भले ही शहरी क्षेत्र या टोल रहित सड़क पर वाहन चलाएं, आपके वाहन पर फास्टैग होना जरूरी होगा। यानी अब हर प्रकार के चार पहिया वाहनों के लिए फास्टैग लेना ही होगा। फास्टैग की अनिवार्यता के पीछे तर्क यह है कि टोल प्लाजा से गुजरने वाले यात्रियों के समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। सवाल उठता है कि सड़कों पर खड़े कर दिए गए वाहनों, आवारा घूमने वाले जानवरों और दुर्घटना के बाद वाहनों को घंटों न हटाने से जो यातायात बाधित होता है, उससे समय और ईंधन व्यय नहीं बढ़ता है? हमें यह भी देखने की जरूरत है कि टोल प्लाजा की जो वर्तमान स्थिति है, उससे क्या बताए जा रहे उद्देश्यों की पूर्ति हो पाएगी?

जिन वाहनों पर फास्टैग लगा हुआ है, उनकी भी जहमतें कम नहीं हैं। फास्टैग महज नाम का फास्ट दिख रहा है। भुक्तभोगियों का कहना है कि व्यवहार में यह ‘स्लोटैग’ है। फास्टैग नाम से टोल प्लाजा से वाहनों के जल्दी-जल्दी गुजरने का बोध होता है। मगर ऐसा हो नहीं रहा है। टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी लाइनें बता रही हैं कि इस राह में आम जनता के लिए मुश्किलें और भी हैं। माफिया और राजनैतिक दबंगों के आगे तो फास्टैग धरे के धरे रह जाते हैं। बिना रोक-टोक के उनके वाहन निकलते रहते हैं। फास्टैग प्रणाली को अभी कई टेक्निकल दिक्कतें पार करनी हैं। पहला तो यह कि वाहन मालिकों को समुचित जानकारी न होने के कारण टोल प्लाजा की लाइनों में लगे कुछ वाहनों के फास्टैग ऐक्टिव नहीं होते हैं या ब्लैक लिस्ट में होते हैं। इसके कारण गाड़ी के मालिक फास्टैग से टोल टैक्स नहीं चुका पाते हैं। ऐसी दशा में उनसे जुर्माना सहित दूनी रकम मांगी जाती है। दूनी रकम के कारण टोल प्लाजा पर बहस होती है और वाहनों के निकलने में समय लगता है। मोबाइल ऐप से तत्काल फास्टैग को रिचार्ज करने पर उसके ऐक्टिव होने में भी समय लगता है। इस कारण भी वाहन को आगे बढ़ाने में दिक्कत आती है।

फास्टैग को तुरंत ऐक्टिव बनाने की प्रक्रिया कुछ सेकंडों में पूरा किए जाने की जरूरत है। ब्लैक लिस्टेड फास्टैग के मामले में उदार नियम की जरूरत है। आखिर वाहन चालक ने फास्टैग लगाया है। टेक्निकल फॉल्ट से फास्टैग ऐक्टिव नहीं होने पर जुर्माने को हटाया जाना चाहिए। अभी हमारे यहां फास्टैग की गुणवत्ता विश्वस्तरीय नहीं है जिससे आरएफआई डी (रेडियो फ्रीक्वैंसी आइडेंटिफिकेशन डिवाइस) फास्टैग को ठीक से पढ़ नहीं पाता है। इसके कई कारण हैं।

फास्टैग को विंड स्क्रीन के बीच में होना चाहिए। नीचे-ऊपर होने पर भी डिवाइस काम नहीं कर पाता है। गाड़ियों की ऊंचाई में भी अंतर होता है। नतीजतन डिवाइस फास्टैग को पढ़ नहीं पाता है। कहीं-कहीं तो टोल प्लाजा के कर्मचारी हाथ मशीन ‘हैंड हेड रीडर’ ले जाकर फास्टैग से टोल टैक्स का भुगतान प्राप्त करते हैं। इस प्रक्रिया में भी लाइनें लंबी लाइनें लग जाती हैं। एक ही वाहन के नाम से दो-दो फास्टैग ले लेने पर भी डिवाइस ठीक से काम नहीं कर पाता। संभव है आने वाले दिनों में इन कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं, पर जिन वाहनों को टोल प्लाजा से कभी गुजरना नहीं है, उन पर फास्टैग लगाने की अनिवार्यता पर सवाल वाजिब लगता है।

भारतीय फिल्मों की विदेशों में सिक्का जमाने की चुनौती

भूपेन्द्र पटेल

पिछले दो दशकों में हिंदी सिनेमा ने नई चुनौतियों के बीच खुद का विस्तार किया है। सन 2001 से 2020 तक की फिल्मों पर विषय विविधता और तकनीकी परिष्कार के लिहाज से गौर करें तो दोनों ही मामलों में हिंदी सिनेमा की अबाध प्रगति से हमारे फिल्मकर्मियों की मेहनत और प्रतिभा का अंदाजा मिलता है। आजादी के बाद के दो दशकों को हिंदी सिनेमा का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस स्वर्ण युग की तरह ही 21वीं सदी के पिछले दो दशकों में भी हिंदी सिनेमा में देश के विभिन्न इलाकों से आई प्रतिभाओं ने जोरदार दस्तक दी और उनकी सृजनशील मौजूदगी ने हिंदी फिल्मों को नए सिरे से समृद्ध किया। यह फिल्म माध्यम और तकनीक में तेज बदलाव का दौर भी रहा। पूरी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री एनालॉग से डिजिटल मोड में आ गई।

दंगल का चीन में चमत्कार

कभी ऋत्विक घटक ने कहा था कि जब फिल्में कागज और कलम की तरह सस्ती हो जाएंगी तो फिल्में बनाना आसान हो जाएगा। इस लिहाज से तकनीकी आविष्कारों ने फिल्म निर्माण को किफायती बना दिया है। नतीजा यह कि इन दिनों बेशुमार कंटेंट क्रिएट हो रहा है। पिछले कुछ सालों में हिंदी फिल्मों की पहुंच देश की सीमाओं के बाहर भी बढ़ी है। कान, बर्लिन, टोरंटो, वेनिस और बुशान जैसे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं की फिल्मों की धमक महसूस की जा रही है। विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी फिल्में पढ़ाई जा रही हैं। हालांकि बीते साल कुछ स्वार्थी तत्वों ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की नीयत और दृष्टि पर शक किया और उसे बदनाम करने की कोशिश में वे एक हद तक सफल भी रहे।

कोरोना प्रकोप में हुई तालाबंदी के कारण फिल्मी गतिविधियों पर लगी रोक से फिल्में आम दर्शकों तक थिएटर के जरिए नहीं पहुंच सकीं। कुछ सालों पहले अस्तित्व में आ चुके ओटीटी प्लैटफॉर्म एक विकल्प के तौर पर उभरे। घरों में कैद दर्शकों ने इन्हें हाथों हाथ लिया। दर्शकों की बदलती रुचि और प्राथमिकता को देखते हुए चंद साहसी फिल्मकारों ने थिएटर मालिकों की धमकी और चेतावनी के बावजूद ओटीटी प्लैटफॉर्म्स पर फिल्में रिलीज कीं। इनपर हमें कुछ बेहतरीन और संवेदनशील फिल्में भी देखने को मिलीं, जो पारंपरिक वितरण-प्रदर्शन के जरिए दर्शकों तक पहुंच ही नहीं पातीं। इनके साथ ही मेनस्ट्रीम कमर्शल फिल्में भी ओटीटी पर आईं। दर्शकों के हाथों में स्टार्ट और स्टॉप बटन आ जाने से छोटे-बड़े सभी कलाकारों को एक ही मैदान में खेलना पड़ा। हमने देखा कि इस नए खेल में अक्षय कुमार, आलिया भट्ट और वरुण धवन सरीखे पॉपुलर स्टार धड़ाम से गिरे।

स्कैम: स्क्रिप्ट की ताकत

ओटीटी प्लैटफॉर्म ने हिंदी फिल्मों को नया अवसर दिया है। पारंपरिक वितरण प्रणाली में हिंदी फिल्मों के सुनिश्चित विदेशी बाजार थे। मिडिल ईस्ट, यूके और यूएसए को ही इंटरनैशनल मार्केट माना जाता था। अब इस मार्केट का विस्तार हुआ है। कोरोना प्रकोप के पहले हम देख पा रहे थे कि हिंदी फिल्में यूरोपीय और पूर्व एशियाई देशों में भी दर्शक जुटाने लगी थीं। आमिर खान की ‘पीके’ और ‘दंगल’ ने चीन में रिकॉर्डतोड़ कलेक्शन किया जबकि भारतीय निर्माताओं के लिए नए बाजार का गेट खोल दिया। पिछले महीनों में भारत-चीन रिश्तों में मनमुटाव के कारण वहां हमारी फिल्मों की रिलीज थम जाने से इस दिशा में कोई खास गतिविधि नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि स्थिति सामान्य होते ही हिंदी फिल्मों का चीनी बाजार सुगम हो जाएगा।

तीसरे दशक में हिंदी फिल्मों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही रहेगी कि भारत में अपना वर्चस्व बनाए रखते हुए वे विदेशी बाजारों में कैसे प्रवेश करती हैं। अभी तक के आंकड़े बताते हैं कि बमुश्किल 5 प्रतिशत विदेशी दर्शक ही हिंदी फिल्मों में रुचि लेते हैं, वह भी हिंदी फिल्मों के ट्रेडिशनल विदेशी बाजारों में। अभी नए बाजारों में प्रवेश करने और वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की चुनौतियां ज्यों की त्यों हैं। हिंदी फिल्मों को वैश्वीकरण का लाभ उठाते हुए विदेशी बाजारों में जगह बनानी है तो कंटेंट और प्रेजेंटेशन पर मेहनत करनी पड़ेगी।

अब तक हिंदी फिल्मों के निर्माताओं का ध्यान भारतीय दर्शकों को संतुष्ट करने पर रहा है। पिछले कुछ सालों के रिकॉर्ड बताते हैं कि जो हिंदी फिल्में विदेशों के नए बाजारों में पॉपुलर हुईं और सराही गईं, उन्हें भारतीय दर्शकों ने खास पसंद नहीं किया। ‘लंच बॉक्स’ इसका बड़ा उदाहरण है। हिंदी फिल्मों का नैरेटिव पारंपरिक भारतीय दर्शकों के लिए उपयुक्त है, लेकिन विदेशी दर्शकों में रुचि बढ़ाने के लिए हमें अतिनाटकीय और स्थूल दृश्य संरचना को सामान्य और सूक्ष्म बनाना होगा। साथ ही अन्य तब्दीलियां भी करनी होंगी। जरूरी है कि हॉलिवुड की तरह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री भी अपनी फिल्मों के दर्शक बढ़ाने के लिए आक्रामक प्रचार करे।

बाहुबली: मिथ मेकिंगइसमें सरकारी एजेंसियां भी सहायक हो सकती हैं। फिलहाल गिने-चुने देशों में ही भारतीय दूतावासों के सहयोग से भारतीय फिल्म फेस्टिवल होते हैं। इन्हें बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान पॉपुलर कलाकारों में रजनीकांत और शाहरुख खान की विदेशों में बड़ी लोकप्रियता है। भारतीय फिल्मों के ऐसे प्रतिनिधि इस दिशा में महती भूमिका निभा सकते हैं। मगर इस प्रचार अभियान से भी ज्यादा जरूरी है कंटेंट पर मेहनत करना। हमें सामान्य प्रेम कहानियों और रहस्य-रोमांच के दायरे से निकलकर कुछ बड़ा सोचना होगा।किस्से-कहानियों की खान भारतीय साहित्य, पुराण और मिथकों से ऐसी प्रभावशाली और नाटकीय कहानियां चुननी होंगी, जिनकी इंटरनैशनल अपील हो। अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक ही उनका निर्माण करना होगा। इसमें भारी पूंजी और व्यापक दृष्टि की आवश्यकता होगी। ‘बाहुबली’ एक उदाहरण हो सकता है। बड़े स्केल की ऐसी इवेंट फिल्में या वेब सीरीज बनें तो विदेशी दर्शक उत्सुक हो सकते हैं। सदी का तीसरा दशक संभावनाओं से भरा है। नए दर्शक आ चुके हैं। उनकी रुचि और पसंद को ध्यान में रखकर तब्दीलियां करनी पड़ेंगी। अन्यथा हम वैश्विक बाजार में विदेशी फिल्मों से पिछड़ जाएंगे। हॉलिवुड ने दुनिया के तमाम देशों और भाषाओं की फिल्मों को कारोबार के मामले में पीछे छोड़ दिया है। भारत में भी उनके प्रयास जारी हैं।

महाअघाड़ी में मतभेद: शिवसेना ने की औरंगाबाद का नाम बदलने की शुरुआत तो कांग्रेस बोली- हम करेंगे विरोध

महाराष्ट्र में बीजेपी के विरोध के नाम पर बनी महाविकास अघाड़ी के भीतर अब मतभेद के स्वर उठने लगे हैं। शिवसेना की ओर से महाराष्ट्र के शहर औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर करने की मांग करने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। कांग्रेस ने शिवसेना को नसीहत दी है कि वह कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के आधार पर ही सरकार के सारे फैसले करे और जो भी निर्णय हों वो सभी दलों की सहमति से हों।

दरअसल, शिवसेना लंबे वक्त से औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर करने की मांग करती रही है। ये मांग उस वक्त भी की गई थी, जब शिवसेना बीजेपी के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा थी। कुछ महीनों पहले महाराष्ट्र सरकार के प्रशासन ने उद्धव सरकार को इस संबंध में एक औपचारिक प्रस्ताव भेजा है। उद्धव के नेतृत्व वाली इस सरकार में कांग्रेस सहयोगी दल के रूप में शामिल है। कांग्रेस ने इसी प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि सिर्फ नाम बदल देने भर से औरंगाबाद का कोई विकास नहीं होने वाला है। ...तो प्रस्ताव का करेंगे विरोध: कांग्रेस महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाला साहब थोराट ने औरंगाबाद के अपने दौरे पर मीडिया से बात करते हुए कहा, 'महाअघाड़ी सरकार का गठन एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के आधार पर हुआ है। हमारे सारे फैसले इसी प्रोग्राम के आधार पर होने चाहिए। औरंगाबाद का नाम बदलने का फिलहाल कोई भी प्रस्ताव अघाड़ी के दलों के बीच नहीं है और अगर ऐसा कोई प्रस्ताव आता है तो हम उसका विरोध भी करेंगे। महाराष्ट्र में सरकार का कोई भी फैसला महाअघाड़ी के कॉमन मिनिमम प्रोग्राम से हटकर नहीं होगा।'

कॉमन मिनिमम प्रोग्राम की बात

औरंगाबाद में ग्राम पंचायत चुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे बाला साहब थोराट ने कहा कि हम सभी ने बीजेपी को रोकने के लिए राज्य में एक साझा गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन के लोग कुछ मुद्दों के अतिरिक्त कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के आधार पर ही काम करते हैं। औरंगाबाद का नाम बदल जाने भर से शहर का कोई विकास नहीं होगा। दूसरा ये भी कि यह फैसला कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का हिस्सा भी नहीं है।

सुशांत केस पर बोले कमिश्नर परमबीर सिंह- मुंबई पुलिस जैसा ही होगा CBI जांच का नतीजा

मुंबई, पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सुशांत सिंह केस में उन्हें उम्मीद है कि सीबीआई की जांच के निष्कर्ष मुंबई पुलिस की जांच से अलग नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अभिनेता की मौत के मामले में सीबीआई जल्द ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचेगी।

परमबीर सिंह ने थपथपाई अपनी पीठ परमबीर सिंह ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने भी हमारी जांच पर सवाल नहीं उठाए थे। उन्होंने तो मुंबई पुलिस के इनवेस्टिगेशन को पेशेवर कहा था। लेकिन कुछ निहित स्वार्थों ने हमें बदनाम करने की कोशिश की।'

सीबीआई ने कहा- जांच जारी

बता दें, सीबीआई ने दो दिन पहले ही कहा था कि वह सुशांत सिंह केस की जांच लेटेस्ट वैज्ञानिक पहलुओं के जरिए कर रही है। सीबीआई ने यह भी कहा था कि हम सभी एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं। किसी भी पहलू से इनकार नहीं कर रहे।

गाय की मौत का बदला! बाघिन और तीन शावकों को जहर देकर मारा, आरोपी गिरफ्तार

नागपुर, महाराष्ट्र स्थित उमरेड-पावनी-करहंडला अभयारण्य में एक बाघिन और तीन शावकों की मौत के मामले में वन विभाग को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मामले में शनिवार को एक मवेशी चराने वाले को गिरफ्तार किया गया है।

शुक्रवार को बाघिन और उसके दो शावकों के शव उमरेड रेंज में करहंडला बीट के कंपार्टमेंट संख्या 1415 में मिले और शनिवार सुबह तीसरे शावक का शव मिला। शावक के पास में ही एक गाय का आधा खाया हुआ शव पड़ा था। पेंच टाइगर रिजर्व के क्षेत्र निदेशक रवि किरण गोवेकर ने कहा, मौके पर मिले सबूतों के साथ-साथ स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर नवेगांव (साधु) गांव निवासी दिवाकर दत्तुजी नागेकर को हिरासत में लिया गया है।

बदला लेने के लिए चारों को दिया कीटनाशक

उन्होंने कहा, 'आरोपी एक अवैध चरवाहा है और उसने बदला लेने के लिए कीटनाशक देने की बात कबूल की है। उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।' उन्होंने कहा कि उसने जिस कीटनाशक का इस्तेमाल किया, उसे जब्त कर लिया गया है।

4-5 साल की थी बाघिन, 5 महीने के थे शावक

गोवेकर ने कहा, 'बाघिन करीब 4-5 साल की थी जबकि शावक करीब पांच महीने के थे। शवों से नमूने डीएनए और विषविज्ञान संबंधी परीक्षणों के लिए एकत्र किए गए हैं।' गोवेकर ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को अदालत में पेश किया गया।

हत्याकांड के 9 साल बाद पकड़ा गया आरोपी, यूपी एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट को मिली टिप और...

10 सितंबर 2012 को एक हत्या के मामले में इमानुल हक 9 साल से फरार चल रहा था। उसकी गोरखपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तारी कर ली गई है। यूपी एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट को टिप मिली थी।

मुंबई, उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने 9 साल पहले ठाणे के कोपरी में हुए कत्ल के एक आरोपी को गोरखपुर रेलवे स्टेशन से शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। 10 सितंबर 2012 को कोपरी में मस्तानगर तिलक रोड पर ताजमुल शेख नामक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। उस केस में आरोपी इनामुल हक तब से फरार चल रहा था।

किसी खबरी ने शुक्रवार को यूपी एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश सिंह को आरोपी के गोरखपुर में होने की टिप दी। इसी के बाद उप निरीक्षक सूरजनाथ सिंह और आलोक राय की टीम ने वहां ट्रैप लगाया और आरोपी को गिरफ्तार किया।

इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि आरोपी पश्चिम बंगाल के मालदा का मूल निवासी है पर गिरफ्तारी के डर में गोरखपुर रह रहा था। उसने जिसकी हत्या की, वह भी पश्चिम बंगाल से ही ताल्लुक रखता था।

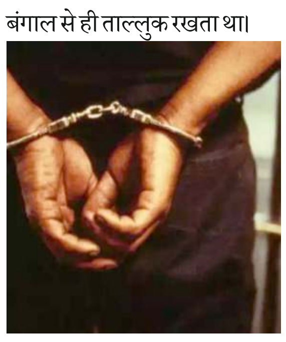

पुणे में बीजेपी और एनसीपी कार्यकर्ता भिड़े, फडणवीस और अजित पवार के कार्यक्रम में हुआ बवाल

पुणे, पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के कार्यकर्ताआपस में भिड़ गए। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा जिसके बाद दोनों ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया गया। इस दौरान दोनों ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने जमकर एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। शुक्रवार को पुणे महानगरपालिका के एक कार्यक्रम में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक ही मंच पर साल के पहले दिन पहुंचे थे।

इलाके में तनाव का माहौल

दोनों ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं के एक दूसरे से भिड़ने की वजह से इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। पुणे में भामा आसखेड योजना का उद्घाटन दोनों नेताओं के हाथ से किया गया। फिलहाल पूरे इलाके में पुलिस का कड़ा बंदोबस्त है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना होने पाए। जानकारी के अनुसार परियोजना का श्रेय लेने के चक्कर में दोनों ही दलों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। हालात इस कदर बिगड़ गए कि पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

क्या है भामा आसखेड योजना

पुणे शहर के पूर्वी भाग को पानी की आपूर्ति के लिए भामा आसखेड बांध से पानी लेने की यह योजना है। इस योजना की मदद से पुणे के खराडी, चंदननगर, विश्रांतवाड़ी, धानोरी, कडस, इलाकों को पानी सप्लाई करने का प्रयास है। इस प्रोजेक्ट को साल 2014 में ही पूरा किया जाना था। हालांकि परियोजना पीड़ित किसानों की मांगों, उसकी वजह से उत्पन्न होने वाले विवाद, राजनीतिक हस्तक्षेप और श्रेय लेने की होड़ के चलते यह परियोजना तकरीबन साढे 6 साल तक अटकी रही। जिसकी वजह से पुणे शहर के पूर्वी भाग के निवासियों को पानी की समस्या से जूझना पड़ा।

हम दोनों एक साथ मतलब चार दिन की खबर

इस कार्यक्रम में हुए बवाल के बाद महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अजित दादा पवार के साथ एक मंच पर आने का मतलब कार्यक्रम के 2 दिन पहले और 2 दिन बाद तक की हेडलाइन का मिलना। वहीं अजित दादा पवार ने कहा कि मैंने भी देखा है कि दो-चार दिनों से एक ही प्रकार की न्यूज़ दिखाई जा रही है।

अंडरवर्ल्ड ने क्यों मुंबई में कराई हथियारों की डिलिवरी? पड़ताल में जुटी क्राइम ब्रांच

मुंबई स्थित बांद्रा का निर्मल नगर एरिया, यहां कई हथियारों के साथ-साथ एक कारबाइन भी जब्त की गई है। मुंबई में कारबाइन की जब्ती का यह पिछले कई वर्षों में पहला मामला है।

मुंबई,क्या नए साल पर मुंबई में किसी बड़े शूटआउट की साजिश थी? यह सवाल इसलिए उठा है, क्योंकि मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को नए साल की पूर्व संध्या पर बांद्रा के निर्मल नगर इलाके से तमाम हथियारों के साथ एक कारबाइन भी जब्त की है। मुंबई में कारबाइन जब्ती का पिछले कई साल में यह पहला मामला है। इस केस में 21 साल के प्रवीण उर्फ प्रहलाद बोरडे को गिरफ्तार किया गया है। निर्मल नगर कई अंडरवर्ल्ड सरगनाओं का अतीत में गढ़ भी रहा है। गिरफ्तार किया गया

आरोपी डीसीपी अकबर पठान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का काम मूल रूप से मुंबई में हथियार की डिलिवरी करना है। वह मध्य प्रदेश के छत्रीपाड़ा का मूल निवासी है। ऐसा अंदेशा है कि वह वहीं से कारबाइन व अन्य हथियार मुंबई लाया। दरअसल, क्राइम ब्रांच की यूनिट-8 के सीनियर इंस्पेक्टर संजीव गावडे और महेश तोगरवाड को प्रहलाद बोरडे के पास हथियार होने की टिप मिली थी। इस सूचना के बाद बांद्रा टर्मिनल ब्रिज के पास एक झोपड़ी में गुरुवार छापा मारा गया और फिर वहां से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक कारबाइन, तीन पिस्टल, पांच मैगजीन के अलावा 15 कारतूस जब्त किए गए। यही नहीं, जांच टीम ने उसके पास से 3 लाख 75 हजार कैश भी जब्त किया है।

सरगना की भी हो चुकी है शिनाख्त

अमूमन हथियार जब्ती का केस लोकल पुलिस स्टेशन को ट्रांसफर कर दिया जाता है लेकिन इस केस की पड़ताल का जिम्मा मुंबई क्राइम ब्रांच ने अपने पास ही रखा है। क्राइम ब्रांच ने अंडरवर्ल्ड सरगना की शिनाख्त भी कर ली है, जिसने यह हथियार मुंबई में मंगवाए थे।

New Year पार्टी में कपल को आपत्तिजनक हालत में देखा तो 19 साल की युवती का कत्ल! जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, कोरोना महामारी के चलते लागू नाइट कर्फ्यू की वजह से महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में रात 11 बजे से होटलों, पबों में पार्टियों की पाबंदी है, लेकिन 31 दिसंबर की रात खार में कुछ कॉलेज स्टूडेंट्स ने न्यू ईयर पार्टी एक बिल्डिंग की छत पर आयोजित की। इसी में 19 साल की जाह्नवी कुकरेजा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आरोप है कि उसने अपने फ्रेंड सर्कल से जुड़े किसी युगल को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। खार के सीनियर इंस्पेक्टर महादेव निंबालकर ने एनबीटी से इस बात की पुष्टि तो की कि पुलिस ने इस केस में मर्डर का सेक्शन-302 लगाया है, लेकिन खबर लिखे जाने तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया था। कुछ संदिग्धों को डिटेन किया गया है। पुलिस इस ऐंगल से भी जांच कर रही है कि जाह्नवी की आरोपियों के साथ झगड़े में गिरने से तो मौत नहीं हो गई, जैसा कि आरोपियों ने पुलिस को अपने बचाव में कहा है।

पिटाई के दौरान युवती की मौत

आरोप है कि 31 दिसंबर की शाम खार में भगवती हाइट बिल्डिंग की छत पर जाह्नवी कुकरेजा ने 19 साल की एक लड़की और उसके 22 साल के बॉयफ्रेंड को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था।

इस पर तीनों का झगड़ा हुआ। इसमें आरोप है कि आरोपियों ने जाह्नवी को बुरी तरह पीटा और उसे उसके सिर के बाल पकड़कर खींचते हुए नीचे तक लाए। इसमें उसकी मौत हो गई।

एक कहानी यह भी आई कि आरोपियों के साथ झगड़ा होने के दौरान जाह्नवी छत से बिल्डिंग के नीचे सीढ़ियों पर गिरती और लुढ़कती चली गई। खार पुलिस स्टेशन ने आईपीसी के सेक्शन 302 और 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

लोकल पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच भी समानांतर जांच कर रही है। पार्टी में जाने का नहीं था कोई प्रोग्राम सूत्रों के अनुसार, जिस बिल्डिंग की छत पर पार्टी हुई, वहां जाह्नवी का पहले से जाने का कोई प्रोग्राम नहीं था। जाह्नवी अपने परिवार के साथ रात करीब सवा 12 बजे तक घर में ही थी। बाद में जाह्नवी की विंग में रहने

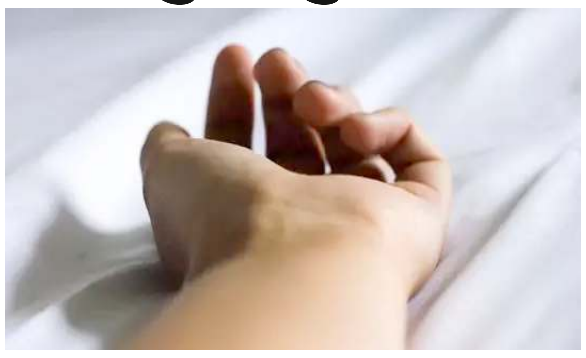

वाली कोई उसकी फ्रेंड उसे खार की संबंधित बिल्डिंग की छत पर लेकर गई। उसी के बाद यह वारदात हुई। जाह्नवी के परिवार को नए साल की सुबह किसी ने फोन कर उनकी बेटी की मौत की सूचना दी। पहले पुलिस ने एडीआर यानी ऐक्सिडेंटल डेथ का केस लिया। बाद में सीसीटीवी फुटेज और कुछ गवाहों के बयान के आधार पर मर्डर के सेक्शन के तहत एफआईआर दर्ज की।

लॉकडाउन में 'गायब' रहे टीबी मरीज, अनलॉक में बढ़े

मुंबई, लॉकडाउन के जरिए कोरोना को नियंत्रित करने में बीएमसी लगभग सफल रही। दूसरी ओर इसी दौरान टीबी बीमारी अनियंत्रित हो गई। इसका कारण टीबी अभियान चला रहे स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना से निपटने के लिए लगा दिया गया था। इस वजह से यह लोग टीबी मरीजों तक समय रहते नहीं पहुंच पाए। यही कारण है कि मार्च में जहां मुंबई में टीबी के 11 मरीज मिले थे, तो वहीं नौ महीने बाद यानी दिसंबर तक यह आंकड़ा 500 के पार हो गया है। इसको लेकर टीबी नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के पेशानी पर बल पड़ गया है। कोरोना की रफ्तार धीमी होती है और लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद बीएमसी का टीबी नियंत्रण विभाग इससे निपटने के लिए कमर कस ली है।

हर वर्ष डोर-टू-डोर सर्वेक्षण

बता दें कि कुष्ठ और टीबी रोगियों के निदान के लिए हर वर्ष डोर-टू-डोर सर्वेक्षण किया जाता है। इस वर्ष कोरोना काल में स्वास्थ्य प्रणाली के व्यस्त रहने कारण टीबी मरीजों का समय पर निदान नहीं हो सका था, जिसके चलते मामले बढ़ गए। लॉकडाउन में छूट मिलते ही टीबी रोगियों के निदान के लिए बीएमसी ने पूरे महीने मुहिम चलाई।

एक से 16 दिसंबर तक कुष्ठ और टीबी रोगियों का सर्वेक्षण किया गया, तो 17 से 31 दिसंबर तक टीबी नियंत्रण विभाग के कर्मचारी उन घरों तक पहुंचे, जो लॉकडाउन में बंद थे। दिसंबर के पहले टीबी मुहिम लॉकडाउन के महीने यानी मार्च में सप्ताह भर के लिए चलाया गया था, उसके बाद सभी कर्मचारी कोरोना से जंग में जुट गए थे।बीएमसी के स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई रिपोर्ट के मुताबिक मार्च महीने के आखिरी सप्ताह में 447 टीम ने 5,84,192 लोगों का सर्वेक्षण किया, जिसमें टीबी के 859 संदिग्ध मरीज मिले, जिसमें 11 लोग टीबी रोग से संक्रमित पाए गए, जबकि पूरे दिसंबर महीने में 3451 टीम ने 9,88,126 लोगों का सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण में टीबी के 9619 संदिग्ध मरीज पाए गए और उसमें 500 से अधिक लोग टीबी रोग से ग्रसित पाए गए।

'डर के कारण नहीं कराई लोगों ने जांच'बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे ने बताया कि लॉकडाउन में टीबी मुहिम पर असर पड़ा था। यातायात व्यवस्था ठप थी, निजी दवाखाने बंद पड़े थे। इसलिए परीक्षण भी सीमित रहा। इतना ही नहीं, कोरोना काल के शुरुआती दिनों में लोग डर के मारे जांच के लिए सामने भी नहीं आ रहे थे, क्योंकि कोरोना और टीबी बीमारी के लक्षण समान थे, लेकिन अनलॉक में टीबी मुहिम पर ज्यादा जोर दिया गया, जिसमें रोगी भी ज्यादा मिले। इस अनलॉक प्रक्रिया में 15 नए कुष्ठ रोगी भी पाए गए हैं।इस साल रोगियों की संख्या तीन गुनास्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष रोगियों की संख्या तीन गुना हो गई है। पिछले साल अभियान में 170 टीबी रोगियों का निदान किया गया था। पिछले वर्ष 6 से 19 मई और 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक टीबी मुहिम चलाई गई थी।

खून की कमी दूर कर शरीर की थकावट दूर करती है पालक की दाल, जानें सर्दियों में इसे खाने के जबरदस्त फायदे

सोनल झालावाड़िया

पालक की दाल' नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ जाता है। दाल में पालक डाल कर बनाई गई यह डिश खाने में तो स्वादिष्ट होती ही है, हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। इसकी खासियत यह है कि आँच पर पकने के बाद भी इसके पौष्टिक तत्व सुरक्षित रहते हैं।

ठंड के दिनों में हमारी बॉडी को हैल्थी, फिट और गर्म रखने के लिए ऐसी चीजों को खाने की जरूरत होती है, जो हमें सर्दियों में होनेवाली बीमारियों से दूर रख सके। ऐसे में हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत करने के लिए हमें अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। डॉकटर भी पालक के सेवन की सलाह देते हैं, क्योंकि इसमें पाए जानेवाले पोषक तत्व हमारी बॉडी को कई प्रकार के फायदे देते हैं। लेकिन अगर पालक वाली दाल खाई जाए तो इससे मिलने वाले लाभ दोगुने हो जाते हैं। आइए, जानते हैं पालक की दाल से मिलने वाले फायदों के बारे में।

पाचन क्रिया को रखता है दुरुस्त

पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने के लिए भी पालक खाने और दाल पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ये शरीर के विषाक्त (Toxic) पदार्थों को बाहर निकालने में मददगार होती है। अगर पालक वाली दाल खाई जाए तो हमें दोनों फायदे एकसाथ मिल सकते हैं। गैस्ट्रोइंटेस्टाइन पाचन तंत्र से संबंधित होता है।

इम्यून सिस्टम मजबूत होता है

अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत करना हो तो सर्दियों के मौसम में अपने डाइट में प्रतिदिन पालक वाली डाल को शामिल करें। दाल और पालक में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। पालक वालीी दाल खाने से आपके बॉडी की इम्यून सिस्टम मजबूत होती है, जिसके कारण उसे किसी भी प्रकार के संक्रमण से लड़ने में आसानी होती है और आप बीमार नहीं पड़ते हैं। पालक में विटामिन-ई की मात्रा भरपूर रूप में पाई जाती है और विटामिन-ई रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करता है।

एनीमिया में भी है कारगर

एनीमिया (शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी) का सबसे ज्यादा खतरा गर्भावस्था के दौरान देखने को मिलता है। आयरन की कमी के कारण यह प्रॉब्लम होती है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को शरीर में आयरन की कमी से होनेवाले दुष्प्रभाव से बचने के लिए पालक की दाल और पालक का जूस पीने की सलाह दी जाती है, इससे उनके शरीर में आयरन की कमी नहीं होती है और ब्लड भी अधिक मात्रा में बनता है।

हड्डियों, मांसपेशियों को मिलती है मजबूती

पालक में विटामिन और दाल में प्रोटीन की अच्छी मात्रा पाई जाती है। इसलिए पालक वाली दाल खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए भी पालक की दाल खाना फायदेमंद है, क्योंकि पालक में आयरन की मात्रा पाई जाती है।

स्किन संबंधी प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए

यदि आप एक चमकती-दमकती त्वचा पाना चाहते हैं तो पालक की दाल में नींबू का रस डालकर पीने से आपको बहुत फायदा मिल सकता है। इससे त्वचा पर चमक नजर आती है और जवां दिखती है।

स्किन-पिगमेंट डिसऑर्डर के कारण होनेवाली प्रॉब्लम को दूर करने के लिए अपने डाइट में प्रतिदिन 1 कटोरी पालक की दाल को शामिल करें। यह एक एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह कार्य करता है और स्किन टोन (त्वचा का रंग) को सुधारने में मदद करता है। मुहांसों की समस्या को दूर करने के लिए भी पालक की दाल का सेवन किया जा सकता है। सूरज की हानिकारक यूवी किरणों की वजह से स्किन-एजिंग का खतरा होता है। पालक में मौजूद एमिनो एसिड स्किन एजिंग की समस्या में राहत दिला सकते हैं और दाल टूटे-फूटे कोशिकाओं की मरम्मत कर सकते हैं।

सूजन को कम करने में करता है मदद

चूँकि पालक और दाल आपको हैल्थी बनाये रखने के लिए एंटी-इन्फ्लामेट्री के रूप में भी कार्य करते हैं। एंटी-इन्फ्लामेट्री क्रिया सूजन को कम करने और क्रॉनिक इन्फ्लेमेशन को ठीक करने का गुण रखती है।

इसलिए, पालक वाली दाल को एंटी-इन्फ्लामेट्री आहार के रूप में उपयोग करने की सलाह दी जाती है, जिससे मरीज जल्दी रिकवर कर सकें।

शरीर की थकावट करती है दूर

दिन-भर काम करने के बाद महसूस होने वाली थकावट को दूर करने के लिए पालक की दाल को अपने डाइट में शामिल करें। क्योंकि पालक वाली दाल खाने के फायदे में शरीर को आराम पहुंचाना भी शामिल है। पालक में कैल्शियम की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार कैल्शियम का सेवन करने से शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है।

वेट लॉस करने में है फायदेमंद

पालक की दाल का नियमित सेवन आपको अपने बढ़े हुए वजन को कम करने में मदद कर सकता है। क्योंकि पालक में वजन घटाने संबंधित गुण पाए जाते हैं। दरअसल, वजन घटाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप कैलोरी का कम मात्रा का सेवन करें। पालक एक कम कैलोरी वाला खाद्य पदार्थ है, जिसे अपने भोजन में शामिल कर आप अपने बढ़ते हुए वजन पर काबू पा सकते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, पालक वाली दाल का सेवन खुद को फिट और हैल्थी बनाये रखने के लिए भी किया जा सकता है।

संक्रमण का खतरा कम करने में कारगर

डॉक्टर हमेशा संक्रमण से बचने के लिए दाल और हरी सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। पालक में पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। पालक खाने से शरीर में संक्रमण का खतरा कम हो जाता है और आप बीमार नहीं पड़ते हैं। संक्रमण से बचने के लिए यदि पालक की दाल खाई जाए तो वो सोने पे सुहागा का काम करती है।

WHO के अनुसार पुरुषों के लिए सेलेनियम का सेवन है वरदान, जानें खाने की किन चीजों में पाया जाता है ये मिनरल

किरीट ए. चावड़ा

शरीर में विटामिन्स, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, बसा के अलावा सेलेनियम (Selenium) की भी आवश्यकता होती है। क्या आपने कभी सेलेनियम का नाम सुना है? वैसे सेलेनियम के बारे में बेशक बहुत कम लोग जानते हैं लेकिन यह शरीर के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। सेलेनियम मिट्टी में पाए जाने वाला खनिज है। हमारे शरीर को कम से कम मात्रा में सेलेनियम की आवश्यकता होती है, लेकिन यह हमें स्वस्थ रखने में एक अनिवार्य भूमिका निभाता है। शरीर के कई आवश्यक कार्य सेलेनियम के बिना संभव नहीं हैं जैसे मेटाबॉलिज्म से थायरॉइड फंक्शन।

वहीं सेलेनियम शरीर में आयोडीन को भी नियंत्रित करता है। सेलेनियम युक्त आहार में विभिन्न साबुत अनाज, डेयरी उत्पाद और तेल, सब्जियां और फल आदि शामिल हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि शरीर में सेलेनियम की कमी या अधिकता होने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। आइए हम आपको सेलेनियम के प्राइमरी सोर्स, साइड इफेक्ट और इसके लाभों के बारे में बताते हैं।

शरीर के लिए सेलेनियम कितना आवश्यक है?

शरीर में आयु के हिसाब से सेलेनियम की आवश्यकता होती है। इससे इतर पैदा हुआ बच्चा और प्रेग्नेट महिलाओं के लिए अलग मात्रा में सेलेनियम की जरूरत होती है।

WHO के अनुसार, पुरुषों के लिए सेलेनियम का सेवन 34Ug प्रतिदिन और वयस्क महिलाओं के लिए 26ug का सेवन डेली जरूरी है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, एक दिन में 55 माइक्रोग्राम सेलेनियम की आवश्यकता आमतौर पर 14 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए होती है। वहीं, नवजात शिशुओं के लिए 20 माइक्रोग्राम और बच्चों के लिए 30-40 ग्राम सेलेनियम की हर दिन जरूरत होती है। प्रग्नेंट महिला को 06 मिलीग्राम और स्तनपान कराने वाली महिला को 07 मिली ग्राम सेलेनियम की हर दिन जरूरत होती है। सेलेनियम को आप तमाम खाद्य पदार्थों से प्राप्त कर सकते हैं। स्वस्थ्य रहने के लिए हमें अपनी डाइट में सेलेनियम से भरपूर पदार्थों को एड करना जरूरी है।

किन चीजों में पाया जाता सेलेनियम

सेलेनियम मिट्टी में उगने वाले पदार्थों के अलावा मीट में भी पाया जाता है।

अंडे: अंडे में सेलेनियम अच्छा होता है। सिर्फ एक उबला अंडा खाने से आपको 20 माइक्रोग्राम सेलेनियम मिलता है। अंडे के सभी व्यंजन आपके लिए फायदेमंद हैं।

टूना मछली / कॉड: सेलेनियम की एक सही मात्रा समुद्री खाद्य पदार्थों में भी पाई जाती है जैसे ट्यूना मछली, सीप, क्लैम, झींगा, सामन, केकड़ा आदि।

कॉटेज चीज: यह भी सेलेनियम का एक अच्छा स्रोत है। एक कप पनीर में लगभग 20 माइक्रोग्राम सेलेनियम होता है।ब्राउन राइस: 1 कप उबले हुए ब्राउन राइस में 19 माइक्रोग्राम सेलेनियम होता है।

सूरजमुखी के बीजः

एक चौथाई कप सूरजमुखी के बीज लगभग 19 मिलीग्राम सेलेनियम प्रदान करते हैं, जिससे उन लोगों को एक बढ़िया नाश्ता मिलता है, जो खासकर पशु उत्पादों को नहीं खाते हैं, जिनमें सेलेनियम का स्तर अधिक होता है। पके हुए बीन्स के एक कप का आनंद लें और आप कुछ महत्वपूर्ण फाइबर के साथ सेलेनियम का लगभग 13 एमसीजी प्राप्त करेंगे।

मशरूम: मशरूम में भी तमाम पोषक तत्व होते हैं, जिसमें विटामिन डी, आयरन के अलावा इसमें 12 ग्राम सेलेनियम भी होता है।

सेलेनियम के फायदे

सेलेनियम हमारे प्रजनन, हृदय, प्रतिरक्षा, थायरॉयड ग्रंथि के कार्य, डीएनए प्रोडक्शन और संक्रमण से होने वाले नुकसान से शरीर को प्रोटेक्ट करता है।

स्टडीज के अनुसार सेलेनियम एंटिबोडीज को बढ़ावा देता है, जो इम्यून सिस्टम का हिस्सा है और इस तरह से सेलेनियम वायरस, बैक्टीरिया द्वारा उत्पन्न किए इन्फेक्शन को खत्म करने में भी मददगार होता है। सेलेनियम शरीर में एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करता है जो हर्ट अटैक, अस्थमा, कैंसर और एथेरोस्क्लेरोसिस जैसी बीमारियों को रोकने में मददरगार होता है।

सेलेनियम के साइड डिफेक्ट

अगर किसी के शरीर में जरूरत से अधिक सेलेनियम पहुंच जाता है तो उसके कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। लिहाजा आपको उतना ही सेलेनियम का सेवन करना चाहिए जितने की शरीर को आवश्यकता है। इसके अधिक सेवन से दस्त, थकान, बालों का झड़ना, जोड़ों में दर्द, स्किन प्रॉब्लम यानी त्वचा के रंग में बदलाव, नाखूनों की समस्या, उल्टी, सांसों में दुर्गंध और नसों में भी दर्द होने लगता है।

वजन घटाने के लिए ये डाइट प्लान सबसे ज्यादा किए गए फॉलो

2020 में वेट लॉस डाइट काफी डिमांड में रही। इसके पीछे लॉकडाउन एक बडा कारण हो सकता है। साथ ही लंबे वक्त तक घर पर रहने के चलते फिजिकली एक्टिव न होना भी वेट लॉस की जरूरत में बढ़ोतरी एक बडी वजह मानी जा सकती है। 2020 एक काफी उतार-चढाव भरा साल रहा। वैश्विक महामारी कोरोना के चलते लगाए गए लॉकडाउन के बाद बेरोजगारी बढ़ी, दुनिया भर के लोग बदलावों और नए अनुभवों से गुज़रे। दुनिया में कई नए कलाकार, लेखक, अभिनेता और यहां तक कि शेफ भी उभरकर सामने आए।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी और लोगों में कई तरह के डाइट प्लान को फॉलो किए जाने को लेकर खासा उत्साह देखा गया। ज्यादातर डाइट प्लान लॉकडाउन के दौरान किए गए वेट गेन को कम करने के मकसद से अपनाए गए। तो आइए जानते हैं कि 2020 में वेट लॉस के लिए सबसे ज्यादा कौन से 10 डाइट प्लान फॉलो किए गए। कीटो डाइट का खास मकसद वजन कम करना ही है। यह शरीर को उस अवस्था में ले जाने में मददगार है, जिसे केटोसिस (ketosis) कहते हैं। यह शरीर को ऊर्जा के लिए ग्लूकोज के बजाय कीटोन्स का उपयोग करने में मदद करता है। इस प्रकार की डाइट में वेट लॉस तेजी से होता है। इस तरह की डाइट में फेज-बेस्ड वेट लॉस होता है

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए यह सप्ताह कामकाज के लिहाज से अच्छा बीतेगा। पुराने रूके हुए काम इस सप्ताह शुरू हो जाएंगे। आर्थिक प्रगति के रास्ते पर आपके कदम बढ़ने लगेंगे। बिजनेस में लाभ की स्थिति बन रही है। नौकरीपेशा थोड़े परेशान रह सकते हैं, कार्यस्थल पर किसी से विवाद संभव है।

वृषभ : भौतिक सुख-सुविधाओं में इस सप्ताह वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं। परिवार में सुख के साधन जुटेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। जो लोग बिजनेस से जुड़े हैं वे कार्य को विस्तार देने में कामयाब होंगे। वर्तमान कार्य में बदलाव के साथ लाभ भी होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए तरक्की के रास्ते खुल रहे हैं।

मिथुन : आपके लिए यह सप्ताह अच्छे समाचार लेकर आ रहा है। कोई बड़ी योजना साकार होने वाली है। भूमि, भवन, संपत्ति के अटके हुए काम इस सप्ताह होने की संभावना है। परिवार और समाज में आपका महत्व बढ़ने वाला है। आपके कार्य कोई अटकेंगे नहीं। बिजनेस में किसी साझेदार का सहयोग मिलेगा और आप विस्तार देने में सफल होंगे।

कर्क : आप पिछले कुछ सप्ताहों से मानसिक रूप से परेशान चल रहे हैं तो इस सप्ताह आपको शांति रहेगी। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आपको भविष्य में सपोर्ट करेगा। बिजनेस के सिलसिले में यात्रा करना पड़ सकती है। नौकरीपेशा के स्थानांतरण की संभावना दिख रही है।

सिंह : यह सप्ताह आपके लिए मिलाजुला रहेगा। पेट खराब हो सकता है, इसलिए खानपान का खास ध्यान रखें। देर रात भोजन करने से बचें। परिवार में किसी मांगलिक कार्य का अवसर आ रहा है। आर्थिक स्थिति के लिए समय अच्छा है। आय के नए स्रोत विकसित करेंगे। आजीविका के नए साधनों से धन अर्जित करेंगे।

कन्या : आपके लिए यह सप्ताह शुभ रहेगा। आपके आत्मविश्वास और उर्जा में बढ़ोतरी होगी, इसका कारण है आपके किसी बड़े काम का पूरा हो जाना। लंबे समय से जिस काम के लिए रूके हुए थे वह इस सप्ताह पूरा कर सकते हैं। नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बिलकुल कर सकते हैं। यंग प्रोफेशनल्स को जॉब के ऑफर आएंगे।

तुला : भौतिक सुखों की चाह है तो इस सप्ताह पा सकते हैं। अपने बढ़े हुए आत्मविश्वास के दम पर आप असंभव काम को भी संभव बना सकते हैं, बस जरूरत है अपने मन से नकारात्मक बातों को बाहर निकालने की। आर्थिक स्थिति सुखद मोड़ पर है। आपको रूका हुआ धन तो प्राप्त होगा ही, नया निवेश भी कर सकते हैं।

वृश्चिक : अपने क्रोध और वाणी पर काबू रखना है, चाहे कोई कितना भी आपको भड़काने का प्रयास करे। अनावश्यक विवादों में पड़ने से आपका समय और धन दोनों ही खर्च होगा। इस सप्ताह आपको खर्च पर भी नियंत्रण करना होगा। आजीविका के साधनों में कमी आने के संकेत हैं इसलिए सतर्क रहें।

धनु : आपके सम्मान, प्रतिष्ठा और सुख में वृद्धि होगी। आर्थिक संकटों से इस सप्ताह बाहर आ जाएंगे और बचत करने की स्थिति रहेगी। आपके संयम और मृदु वाणी के कारण हर किसी को प्रभावित कर लेंगे। मानसिक शांति रहेगी। परिजनों के सहयोग से किसी बड़े काम को पूरा करने में सफल होंगे। घर की अर्थव्यवस्था बेहतर रहेगी।

मकर : आपके लिए सप्ताह शुभ है। खासकर आर्थिक स्थिति के लिए अच्छी खबरें देने वाला सप्ताह है। बिजनेस में तरक्की और विस्तार की योजनाएं साकार होंगी। नौकरीपेशा को अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। प्रेम संबंधों के लिए समय ठीक है। नया प्रसंग आ सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : किसी बात पर यदि क्रोध आए तो धैर्य रखें। क्योंकि खराब बोली के कारण आप संबंध बिगाड़ लेंगे। परिवार में भाई-बहनों के साथ विवाद की स्थिति भी बन सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की केयर करना आवश्यक होगा। दांपत्य जीवन में पति-पत्नी दोनों को भी केयर करना जरूरी होगी। सप्ताह के अंत में स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है।

मीन : धन, सम्मान और मानसिक सुकून इस सप्ताह ये तीन चीजें खासतौर पर मिलने वाली है आपको इस सप्ताह। पैसा अनेक जगहों से आएगा। अपने कामकाज से, उधार दिया हुआ और अन्य निवेश से। इसलिए आपकी सुख- संपन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा। संतान पक्ष और माता-पिता का पूर्ण सहयोग रहेगा।

सोनू ने ससुराल फोन लगाया तो एक बच्चे ने फोन उठाया।
सोनूः बेटा, घर में सब क्या कर रहे हैं?
बच्चाः आपकी बुराई।

एक मिनट का मौन उन लड़कों के लिए जिन्हें कॉलेज खुलने पर पता चलेगा कि...
उनके क्रश की शादी तो लॉकडउन में ही किसी और से हो गई।

दुनिया की सारी बेइज्जती एक तरफ और...
लड़की के सामने बाइक स्टार्ट ना होना एक तरफ!

बारिश भी दिल्ली को नहीं दिलवा पाई पल्यूशन से राहत

नई दिल्ली, बारिश के बावजूद लगातार दूसरे दिन राजधानी के प्रदूषण स्तर में कोई कमी नहीं आई। प्रदूषण शनिवार को भी इमरजेंसी स्तर पर बना रहा। हालांकि इस दमघोटू प्रदूषण से आज राहत मिलने की पूरी संभावनाएं हैं। हवाओं की स्पीड बढ़ने के साथ रविवार को बारिश भी होगी।

दिल्ली एनसीआर में इतना रहा एक्यूआई

सीपीसीबी से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह 8 बजे राजधानी का एक्यूआई 453 पर पहुंच गया था।

इसके बाद बारिश की वजह से इसमें कमी आई। लेकिन बारिश की चंद बूंदें प्रदूषण से बहुत अधिक राहत नहीं दिलवा पाई। चंद मिनटों की बारिश के बाद प्रदूषण फिर बढ़ने लगा। शाम 4 बजे सीपीसीबी के एयर बुलेटिन में राजधानी का एक्यूआई 443 रहा। एनसीआर की हालत भी बदतर रही। बागपत में 457, बहादुरगढ़ में 432, बुलंदशहर में 447, फरीदाबाद में 415, गाजियाबाद में 462, ग्रेटर नोएडा में 450, गुरुग्राम में 336, नोएडा में 448 और रोहतक में एक्यूआई 442 रहा।

स्मॉग की चादर में लिपटी दिल्ली

दो दिनों से स्मॉग की चादर में लिपटी दिल्ली के लोगों को आंखों में परेशानी, सीने में जलन जैसी समस्याओं के साथ सिरदर्द भी हो रहा है।

इस पर सर्दी ने प्रदूषण के अटैक को कई गुना बढ़ा दिया है। नए साल की शुरुआत इस बार पिछले छह सालों में सबसे प्रदूषित हुई है। एक्सपर्ट के अनुसार, हवाएं कमजोर रहीं। वहीं बारिश भी काफी कम हुई जिसकी वजह से प्रदूषक तत्व बह नहीं पाए और वे नीचे आ गए।

रविवार से मिल सकती है राहत

सफर के पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को राजधानी का प्रदूषण गंभीर स्तर पर बना रहा। प्रदूषक तत्व जमीनी सतह पर जमने की वजह से लोगों को काफी अधिक परेशानियां हुईं। वहीं अब वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से रविवार को प्रदूषण से राहत मिलेगी। इसकी वजह से हवाओं की गति में सुधार आएगा। बारिश भी शनिवार से ज्यादा होगी जिसका एक्यूआई पर व्यापक असर पड़ेगा। 3 जनवरी को प्रदूषण स्तर 350 के करीब आ सकता है। इसके बाद 4 और 5 जनवरी को इसमें व्यापक सुधार आएंगे। यह सामान्य से खराब स्तर पर रह सकता है।

इंदौर में बर्ड फ्लू की दस्तक

इंदौर, कोरोना वायरस का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ कि बर्ड फ्लू ने दस्तक दे दी है। राजस्थान के बाद मध्य प्रदेश के इंदौर में भी मृत कौवों में बर्ड फ्लू के वायरस के लक्षण पाए गए हैं। इंदौर के डेली कॉलेज में लगातार कौवों की मौत हो रही है और इनमें से कई मौतों का कारण एच5एन8 एवियन इन्फ्लूएंजा है। एच5एन1 से लेकर एच5एन5 टाइप तक वाला बर्ड फ्लू का वायरस घातक होता है। ये सभी वायरस एक से दूसरे पक्षी में फैलते हैं। वर्तमान में जिस वायरस से मौत हुई है, वह केवल कौवों तक ही सीमित है। इससे दूसरे पक्षियों के संक्रमित होने का डर नहीं है।

फिर भी, वायरस के मामले सामने आते ही नगर निगम और वेटरनरी विभाग के डॉक्टरों की टीम मुस्तैद हो गई है।डेली कॉलेज में अब तक 83 से ज्यादा कौवे मर चुके हैं। कॉलेज में 29 दिसंबर को कौवों की मौत का मामला पहली बार सामने आया था। शुक्रवार को 20 कौवे मृत मिले थे। शनिवार को 13 नए मामले सामने आए। इनके सैंपल भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजे गए थे। इनमें से कुछ में एच5एन8 एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस के लक्षण की पुष्टि हुई है। शनिवार को ही वेटरनरी विभाग के डॉक्टर और निगम की टीम डेली कॉलेज पहुंची। इंदौर के चिड़ियाघर के डॉक्टर उत्तम यादव का कहना है कि इस तरीके से पिछले 3 दिनों में 50 से अधिक कौवों की मौत हुई थी। उनमें से 2 में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। इसके बाद लगातार इस पूरे इलाके में अलर्ट जारी किया गया है। सभी को बर्ड फ्लू के प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। मृत कौवों को शनिवार सुबह एकांत में दफनाया गया। एक कर्मचारी ने पीपीई किट पहनकर पहले मृत कौवों को जमा किया। इसके बाद उन्हें काली पॉलीथिन में भरा। पहले जेसीबी की मदद से 6 फीट का गड्ढा खोदा गया। इसके बाद कौवों को गड्ढे में डालकर ऊपर से चूने की परत बिछाई गई। इसके बाद मिट्टी डालकर दबा दिया गया।

दस्तावेज लगाकर किसी ने फाइनेंस करा ली स्कूटी, किश्त के लिए फोन आया तो उड़े होश

सेक्टर-23 संजय कॉलोनी निवासी युवक ने बताया कि उनके पास स्कूटी की किश्त भरने के लिए फोन आया। तब उन्हें पता चला कि उनके नाम पर किसी ने स्कूटी खरीद रखी है। पीड़ित ने जब एजेंसी पर जाकर जांच की तो पता लगा कि उनके दस्तावेज लगाकर किसी ने स्कूटी फाइनेंस कराई थी। पीड़ित ने जब इस मामले में सारन थाने में शिकायत की तो उन्होंने मामले को दर्ज करने से इनकार कर दिया। जिसके बाद पीड़ित ने इस मामले में सीएम विंडो में शिकायत दी। जहां से फटकार लगने के बाद सरान पुलिस ने घटना के तीन महीने बाद मुकदमा दर्ज किया है। संजय कॉलोनी निवासी सनी ने बताया कि 24 सितम्बर को उनके पास कॉल आई की आप अपनी स्कूटी की किश्त क्यों नहीं भर रहे हैं। पीड़ित ने इस मामले में कॉल करने वाले व्यक्ति को बताया कि उन्होंने कोई स्कूटी फाइनेंस ही नहीं करा रखी है। जिसके बाद उन्होंने एजेंसी का नाम पता करके डबुआ स्थित एजेंसी पर पहुंचे। उन्होंने एजेंसी में जांच में पाया कि उनके पैन कार्ड व आधार कार्ड की कॉपी लगाकर किसी युवक ने गाड़ी फाइनेंस करा रखी है। वहीं फोटो रवि नाम के युवक की लगी है।

29 सितंबर को दी थी शिकायत, पुलिस ने अब दर्ज किया केस

पीड़ित ने इस मामले में सारन पुलिस को 29 सितम्बर को इस मामले में लिखित शिकायत दी। मगर पुलिस ने शिकायत को सेक्टर-16 में दर्ज कराने को कहा। जिसके बाद पीड़ित ने इस मामले में शिकायत सीएम विंडो में की। जहां से इस मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सारन को मुकदमा दर्ज कर जांच करने के आदेश जारी हुए हैं।

नाइजर में बड़ा आतंकी हमला, कम से कम 56 लोगों के मारे जाने की खबर

नियामे, अफ्रीकी देश नाइजर में हुए एक आतंकवादी हमले में 56 लोगों के मारे जाने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादियों ने माली की सीमा पर स्थित एक गांव पर हमला कर 56 लोगों की हत्या कर दी। इस हमले में 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हमले वाले इलाके में हिंसा और गृहयुद्ध के कारण साल 2017 से ही आपातकाल लगा हुआ है। दो गांवों पर टूटा आतंकियों का कहर एएफपी ने नाइजर के अधिकारियों के हवाले से बताया है कि आतंकवादियों ने दो गांवों को निशाना बनाया है। इस हमलें में मरने वाले लोगों की तादाद 70 से भी अधिक हो सकती है। आतंकवादियों ने नाइजर के जिन दो गांवों पर हमला बोला वे टिल्लाबेरी इलाके के चोमोबांगोऊ और जारोमदारेय के नाम से जाने जाते हैं। यह गांव माली की सीमा के पास स्थित है। इस इलाके मे कई आतंकी संगठन सक्रिय नाइजर की सरकार का आरोप लगाती रहती है कि माली के सशस्त्र गुट उसकी राज्य की सीमा में घुसकर आतंकी वारदातों को अंजाम देते हैं। हालांकि, इस हमले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस क्षेत्र में अल कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े कई आतंकी संगठन सक्रिय हैं। लगातार आतंकी हमले झेल रहे इलाके के लोग नाइजर के पास स्थित नाइजीरिया में 27 दिसंबर को बोरनो प्रांत में आतंकी संगठन बोको हराम के हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी। बोरनो प्रांतीय सरकार के मुताबिक हमलावरों ने चार गांवों को निशाना बनाया था। आतंकियों ने सबसे पहले अजारे नगर में हमला किया, जहां सरकारी कार्यालयों और पुलिस थानों को निशाना बनाया गया। इस दौरान सैनिकों और हमलवारों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। इसके बाद हमलावरों ने शफ्फा में भी हमले किए।

देसी कोरोना वैक्सीन को भी मिली मंजूरी, आपातकालीन परिस्थिति में दिया जा सकेगा भारत बायोटेक का कोवैक्सीन

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) की विशेषज्ञ समिति ने देसी वैक्सीन के उपयोग की मंजूरी दी है

नई दिल्ली, नया साल का आज दूसरा दिन है, कोरोना वैक्सीन पर दूसरी खुशखबरी आ गई है। एक्सपर्ट पैनल ने पहली देसी वैक्सीन को आपातकालीन परिस्थितियों में इस्तेमाल की मंजूरी देने की सिफारिश कर दी है। सूत्रों की मानें तो केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) ने अपनी सिफारिश में कहा है कि भारत बायोटेक की कोवैक्सीन (Bharat Biotech's Covaxin) के उपयोग को मंजूरी दी जा सकती है। ऐसे में यह लगभग तय हो गया है कि मकर संक्रांति के दिन यानी 14 जनवरी से देश में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू हो जाएगा। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान से भी इस बात की संभावना अब बढ़ गई है।

दो दिन में दूसरे वैक्सीन को मिली मंजूरी

इससे पहले, नए साल के पहले दिन 1 जनवरी, 2021 को ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्रेजेनेका की तरफ से विकसित कोवीशील्ड (Oxford University and AstraZeneca's Covid vaccine Covishield) को भारत में इमर्जेंसी यूज की अनुमति दी जा चुकी है। ध्यान रहे कि कोवीशील्ड का उत्पादन भी भारत की दवा निर्माता कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (SII) कर रही है। महाराष्ट्र के पुणे स्थित सीरम इंस्टिट्यूट उत्पादन की दृष्टि से दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनी है। इस तरह, कोवीशील्ड को देश में निर्मित वैक्सीन है जबकि कोवैक्सीन देश में विकसित और निर्मित, दोनों है। इसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) की मदद से भारत बायोटेक ने विकसित किया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी यह जानकारी

वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) की विषयगत विशेषज्ञ समिति (The Subject Expert Commmittee) ने सीरम इंस्टिट्यू ऑफ इंडिया (SII) और भारत बायोटेक इंटरनैशनल लिमिटेड की ओर से वैक्सीन को जल्द से जल्द मंजूरी दिए जाने के आवेदन के संबंध में सिफारिश भेजी है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कैडिला हेल्थकेयर लि. के वैक्सीन कैंडिडेट को तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल को मंजूरी दिए जाने की भी सिफारिश सीडीएससीओ ने की है।

14 जनवरी से देश में शुरू हो जाएगा टीकाकरण अभियान?

बहरहाल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ही ऐलान किया कि राज्य में मकर संक्रांति के दिन से कोविड-19 महामारी के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया जाएगा। यानी, अब स्पष्ट हो गया है कि एक के बाद एक, लगातार दो दिनों में दो टीकों को मंजूरी मिलने से जल्द टीकाकरण अभियान का रास्ता साफ हो गया है। जानकारों ने भी कहा है कि कोरोना टीका के उपयोग की आखिरी मंजूरी (Final Approval to Corona Vaccine) मिल जाने के एक सप्ताह बाद टीकाकरण अभियान शुरू किया जा सकता है।

कृषि विधेयकों को पास करने की प्रक्रिया पर सवाल, बीजेपी नेता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर की सरकारों को यह निर्देश देने की मांग

नई दिल्ली, केंद्र सरकार पर तीन नए कृषि विधेयकों को संसद से पास कराने में प्रक्रिया का पालन नहीं करने के लग रहे आरोपों के बीच सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (Public Interest Litigation या PIL) दाखिल की गई है। इस याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि वो केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दे कि वो मसौदा कानूनों यानी विधेयकों (Draft Laws i.e Bills) को संसद और राज्य विधानमंडलों में पेश किए जाने से कम-से-कम 60 दिन पहले सरकारी वेबसाइटों पर प्रमुखता से प्रकाशित कर उन्हें लोगों के बीच उपलब्ध कराएं। विधायिका के रवैये पर सवाल बीजेपी नेता एवं अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने यह पीआईएल दायर की है। उन्होंने इसके जरिए केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया है कि सभी विधेयकों और जिस रूप में उन्हें पारित किया गया हो, उसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं में लोगों के बीच उपलब्ध कराया जाए। अधिवक्ता अश्विनी कुमार दूबे के मार्फत दायर की गई जनहित याचिका में कहा गया है, ''आज की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अत्याधुनिक मीडिया और टेक्नॉलजी के दौर में सरकारों, केंद्र और राज्य दोनों, के लिए यह उचित नहीं है कि वे विधानमंडल में कोई चर्चा कराए बगैर अचानक ही रातोंरात कोई कानून पारित कर दे और उन पर कोई व्यापक विचार-विमर्श नहीं कराया जाए।''

तेलंगाना में एक ही परिवार के 22 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव, ब्रिटिश स्ट्रेन का संक्रमण नहीं

- **प्रसूर्यपेट इलाके में एक ही परिवार के 22 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है**
- **कुछ दिन पहले परिवार अपने किसी रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ था**

हैदराबाद, तेलंगाना के प्रसूर्यपेट इलाके में एक ही परिवार के 22 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कुछ दिन पहले परिवार अपने किसी रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ था। इसी दौरान वे कोरोना वायरस की चपेट में आए। परिवार के किसी भी सदस्य में कोरोना के लक्षण नहीं हैं। सभी को होम आइसोलेशन में रखा गया है। राहत की बात ये है कि संक्रमितों में से किसी ने भी हवाई यात्रा नहीं की है। ऐसे में सभी के कोरोना के नए स्ट्रेन से संक्रमित होने की संभावना बहुत कम है।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के. हर्षवर्धन ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी संक्रमित अपने घर में आइसोलेशन में हैं। हम उनकी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि परिवार के किसी भी सदस्य ने हवाई यात्रा नहीं की थी और ब्रिटेन में पाए गए वायरस के नए स्ट्रेन से संक्रमित होने से भी इनकार किया है। उन्होंने बताया कि परिवार के एक सदस्य को टीबी की बीमारी है और उसकी नियमित जांच के दौरान ही उसका कोरोना वायरस परीक्षण किया गया था, जो पॉजिटिव आया।

रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में हुए थे शामिल

अधिकारी ने बताया कि चूंकि वह एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे, इसलिए वहां और भी जो लोग मौजूद थे, वे भी सतर्क हो गए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने 38 लोगों के समूह की कोरोना जांच की, जिनमें से 22 लोग संक्रमित पाए गए। लगभग 4 महीनों के बाद यह पहली घटना है, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में एक ही परिवार के लोगों का परीक्षण पॉजिटिव आया है।

अधिकारियों ने कहा कि अंतिम संस्कार के लिए इकट्ठा हुए लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग जैसे उपायों का पालन नहीं किया था। इनके पड़ोसियों के नमूने भी लिए गए हैं और इलाके का सैनिटाइजेशन भी किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि वायरस का कम्युनिटी ट्रांसमिशन नहीं हुआ है।

इस साल अलग होगा भारत का गणतंत्र दिवस,राजपथ पर परेड में शामिल होगी बांग्लादेश की सेना

इस साल 26 जनवरी को भारत के गणतंत्र दिवस परेड में बांग्लादेश की सेना की एक टुकड़ी भाग लेगी। ये दूसरी है जब विदेशी सैनिक भारत के सबसे बड़े समारोह में भाग लेंगे और राजपथ पर मार्च करेंगे।

उस समय परेड में हिस्सा लेने के लिए बांग्लादेशी दल को आमंत्रित किया गया है जिस समय दोनों देश बांग्लादेश के अस्तित्व की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। मार्चिंग टुकड़ी में 96 सैनिक शामिल होंगे, और अपनी BD-08 राइफल्स - चीनी टाइप 81 7.62mm हमले के हथियार का लाइसेंस-निर्मित वैरिएंट लेंगे। बांग्लादेश ऑर्डिनेंस फैक्ट्री हर साल 10,000 से अधिक ऐसी असॉल्ट राइफल का उत्पादन करती है। विदेशी सैनिकों ने 2016 में पहली बार भारत परेड में हिस्सा लिया जब 130 सैनिकों की टुकड़ी वाली एक फ्रांसीसी सेना ने राजपथ पर मार्च किया।

तत्कालीन फ्रांसीसी राष्ट्रपति, फ्रेंकोइस होलांडे, उस वर्ष मुख्य अतिथि के रूप में परेड के गवाह बने। इस वर्ष परेड छोटी होगी, इसमें कम प्रतिभागी शामिल होंगे और कोविड-19 महामारी के कारण दर्शकों की सामान्य संख्या का केवल एक चौथाई हिस्सा होगा। इस बार सिर्फ 25 हजार पास ही जारी किए जा रहे हैं। परेड में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागी यानी सभी सैनिक दस्ते, पुलिस अर्ध सैनिक बल के जवान, 15 साल से ज्यादा आयु के सौ छात्र और अन्य नागरिकों के साथ ही दर्शकों को भी मास्क लगाना अनिवार्य होगा। जाहिर है राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ-साथ सभी देसी विदेशी मेहमान भी इसका पालन करेंगे।

बिहार में ऐच्छिक तबादले के लिए नियोजित शिक्षकों को करना होगा थोड़ा और इंतजार, ये है वजह

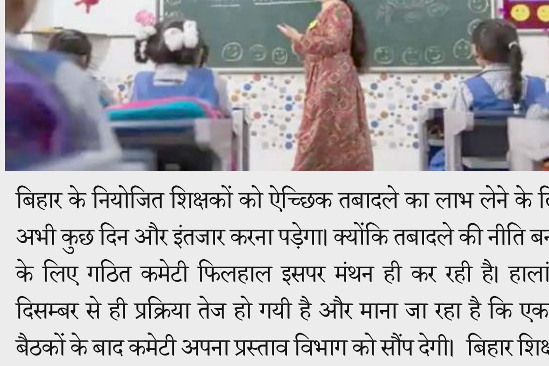

बिहार के नियोजित शिक्षकों को ऐच्छिक तबादले का लाभ लेने के लिए अभी कुछ दिन और इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि तबादले की नीति बनाने के लिए गठित कमेटी फिलहाल इसपर मंथन ही कर रही है। हालांकि दिसम्बर से ही प्रक्रिया तेज हो गयी है और माना जा रहा है कि एक-दो बैठकों के बाद कमेटी अपना प्रस्ताव विभाग को सौंप देगी। बिहार शिक्षक नियोजन नियमावली में शिक्षकों के अपने नियोजन इकाई में ही तबादले का प्रावधान था। लेकिन, जुलाई 2020 में शिक्षकों की घोषित सेवाशर्त में शिक्षा विभाग ने दिव्यांग और महिला शिक्षकों को अंतरजिला तथा अंतर नियोजन इकाई तबादले की छूट सेवा अवधि में एकबार के लिए दी है। साढ़े तीन लाख नियोजित शिक्षकों में से करीब डेढ़ लाख को इसका सीधा लाभ मिलना है। कमेटी का हुआ गठन सितम्बर 2020 में शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक गिरिवर दयाल सिंह की अध्यक्षता में तबादले का फॉर्मूला तैयार करने के लिए एक कमेटी गठित की। कमेटी को एक माह के भीतर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया। हालांकि चुनावी अधिसूचना जारी होने के चलते आगे की कार्रवाई नहीं हो पायी। सरकार गठन के बाद दिसम्बर में तबादले के मामले ने जोर पकड़ा। अबतक कमेटी की दो बैठकें हो चुकी हैं। जल्द ही तीसरी बैठक भी होनी है।

इस टीम के हेड कोच बने हर्शल गिब्स, डीन जोन्स की लेंगे जगह

साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हर्शल गिब्स को पाकिस्तान सुपर लीग की टीम कराची किंग्स ने अपने हेड कोच नियुक्त किया है। गिब्स डीन जोन्स की जगह लेंगे। कराची किंग्स की टीम ने साल 2020 में खेले गए पीएसएल के खिताब को पहली बार अपने किया था। बाबर आजम की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा था। टूर्नामेंट को जीतने के बाद टीम के सभी खिलाड़ियों ने डीन जोन्स को श्रद्धांजलि दी थी।

कराची किंग्स की टीम ने अपने ट्विटर हैंडल पर हर्शल गिब्स का स्वागत करते हुए लिखा, 'उन्होंने अपने एग्रेसन और पैशन से इस खेल को खेलने का तरीका बदला और यही चीज कोचिंग में भी की। टीमवर्क और अनुशासन की स्ट्रेंथ में विश्वास रखने वाले एक शानदार कोच। कराची किंग्स को गर्व है अपने नए हेड कोच के तौर पर हर्शल गिब्स के नाम का ऐलान करने पर। हमारी फैमिली में आपका स्वागत है गिब्स।' कराची किंग्स ने फाइनल मेच में इस सीजन लाहौर की टीम को हराकर पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग की ट्रॉफी को अपने नाम किया था। कप्तान बाबर आजम ने फाइनल में 63 रनों नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। टूर्नामेंट को जीतने के बाद कप्तान बाबर आजम समेत टीम के कई खिलाड़ियों ने अपने पूर्व कोच डीन जोन्स को याद किया था और यह जीत उनको समर्पित की थी। मोहम्मद आमिर ने भी जोन्स के लिए अपने ट्विटर पर भावुक मैसेज लिखा था।

बता दें कि डीन जोन्स कराची किंग्स टीम के हेड कोच थे और मुंबई में हार्ट अटैक की वजह से उनका निधन हो गया था। साल 2020 में मार्च में पीएसएल को कोरोना वायरल के चलते स्थगित करना पड़ा था और टूर्नामेंट के बीच बचे मुकाबले नवंबर में खेले गए थे।

मोहम्मद आसिफ ने लगाया पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों पर बड़ा आरोप, कहा- उम्र में करते हैं हेराफेरी

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ ने टीम के तेज गेंदबाजों पर बड़ा आरोप लगाया है। आसिफ ने कहा है कि टीम के तेज गेंदबाज उम्र के मामले में काफी हेराफेरी करते हैं और अपनी असली उम्र को छुपाते हैं। आसिफ ने कहा कि इस समय के पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के पास गेंदबाजी में कंट्रोल नहीं है और लगभग पांच से छह साल हो चुके हैं किसी एक पाकिस्तानी तेज गेंदबाज को टेस्ट मैच में 10 विकेट लिए हुए। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल के साथ यूट्यूब शो में बात करते हुए मोहम्मद आसिफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि 5-6 साल हो चुके हैं किसी तेज गेंदबाज को एक मैच में 10 विकेट लिए हुए। हम न्यूजीलैंड जैसी पिचों को देखकर लार टपकाते हैं। तेज गेंदबाज के तौर पर गेंद को छोड़ने का कोई भी सवाल पैदा नहीं होता है। मैं कभी भी पांच विकेट लिए बिना गेंद को नहीं छोड़ता था।

आयरलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को आयरलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। इस सीरीज का आगाज जनवरी महीने के अंत में होगा और यह वनडे वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा होगी। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश में अपना दमखम दिखा रहे राशिद खान, मुजीब उर रहमान, मोहम्मद नबी जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया गया है।

दोनों टीमों के बीच होने वाली यह वनडे सीरीज पहले आबुधाबी में खेली जानी थी, लेकिन वीजा की समस्या के चलते इसको ओमान शिफ्ट किया गया है। आयरलैंड की टीम आबुधाबी पहुंच चुकी है और अपनी तैयारियों में जुट गई है। आयरलैंड की टीम ने साल 2020 में इंग्लैंड का दौरा किया था, जहां टीम को एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, टीम ने आखिरी वनडे मैच में इंग्लैंड को पटखनी दी थी।

अफगानिस्तान टीम के कुछ खिलाड़ी इस समय ऑस्ट्रेलिया में मौजूद हैं और वह सीरीज की शुरुआत से पहले टीम से जुड़ेंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के डायरेक्टर ने टीम की तैयारियों पर बात करते हुए कहा, 'पिछले कुछ दिनों में हमारी तैयारियां कुछ खास नहीं हो पाई है अफगानिस्तान में खराब मौसम की वजह से और यहां पर काफी सर्दी भी है।' आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुनी गई टीम पर उन्होंने कहा, 'हमने अपनी तरह से बेस्ट टीम चुनने की कोशिश की है, साइड काफी बैलेंस है और हमने टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ युवा खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है।'

मेलबर्न के रेस्तरां में भारतीय क्रिकेटरों की वीडियो बनाने वाले नवलदीप सिंह हुए दुखी, पड़ रहीं गालियां

मेलबर्न में नए साल के मौके पर एक रेस्तरां में खाना खाने का वीडियो सामने आने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, नवदीप सैनी, शुभमन गिल और पृथ्वी शॉ पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें आइसोलेट कर दिया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से यह जानकारी शेयर की। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, इन सभी खिलाड़ियों ने बायो-बबल प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है, वहीं बीसीसीआई इस बात से इंकार कर चुका है कि खिलाड़ियों ने प्रोटोकॉल तोड़ा है। लेकिन अब वीडियो पोस्ट करने वाला फैन नवलदीप ने भी एक ट्वीट करते हुए लिखा कि लोग उसे गाली दे रहे हैं। नवलदीप सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'मुझे गालियां दे रहे हैं ...देखो गालियों का फर्क नहीं पड़ता मुझे, हम पंजाबी हैं, दोस्तों के साथ बैठते हैं तो 400-500 गालियां आपस में दे देते हैं।

लेकिन मैं इसलिए दुखी हूं क्योंकि मुझे अपने ही देश के खिलाफ बताया जा रहा है। मैं सभी से माफी मांगता हूं और उम्मीद करता हूं कि सब ठीक हो जाए' नवलदीप ने ही 1 जनवरी को रोहित शर्मा और अन्य खिलाड़ियों का वीडियो पोस्ट किया था। नवलदीप ने पांचों भारतीय खिलाड़ियों के बिल का भुगतान किया था।

खिलाड़ियों के प्रोटोकॉल तोड़ने के मसले पर बीसीसीआई ने दी सफाई

बीसीसीआई ने इस मुद्दे पर सफाई देते हुए कहा था कि हमारे खिलाड़ी बाहर रेस्टॉरेंट में सिर्फ खाना गए थे। उन्होंने इस दौरान सभी जरूरी प्रोटोकॉल का ध्यान रखा और इसका सख्ती से पालन किया। इस दौरान उनका टैम्प्रेचर भी मापा गया था। इसके अलावा उन्होंने टेबल पर बैठने से पहले सैनिटाइजेशन भी किया था।" बीसीसीआई ने आगे कहा कि इस मुद्दे को तूल देने की जरूरत नहीं है। ऋषभ पंत के फैन को गले लगाने के सवाल पर बीसीसीआई ने कहा कि खुद फैन ने माना है कि यह सब उसने एक्साइटमेंट में आकर किया था। पंत ने खुद से उसे गले नहीं लगाया था।

ईरान में कोरोना संक्रमण के 6286 नए मामले, अब तक 55 हजार से अधिक की मौत

ईरान में पिछले 24 घंटों के दौरान वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 6,286 नए मामलों की पुष्टि होने के बाद देश में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 12,31,429 पर पहुंच गई। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रवक्ता सीमा सादत लारी ने शुक्रवार को नियमित प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान 114 मरीजों की मौत से मरने वालों का आंकड़ा 55,337 पर पहुंच गया। ईरान में अब तक

कोरोना संक्रमण से 9,95,570 लोग पूरी तरह से ठीक भी हो चुके हैं। कोरोना के 5013 मरीज गहन चिकित्सा केन्द्र (आईसीयू) में भर्ती हैं और उनका इलाज चल रहा है। ईरान के 31 प्रांतों में से 26 प्रांत कोरोना से बुरी तरह प्रभावित हैं। ईरान में कोरोना संक्रमण का पहला मामला 19 फरवरी को सामने आया था।विश्व में कोरोना से 8.39 करोड़ लोग प्रभावित

विश्व में कई देशों में कोरोना वायरस (कोविड-19) के टीकाकरण का अभियान शुरू होने के बीच इस महामारी का प्रकोप जारी है और अब तक इससे 8.39 करोड़ लोग प्रभावित हो चुके हैं, जबकि 18.27 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 8,39,57,701 लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 18 लाख 27 हजार 121 मरीजों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका सबसे अधिक प्रभावित, भारत दूसरे नंबर पर

कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.01 करोड़ हो गई है, जबकि 3,47,787 लोगों की मौत हुई है। संक्रमणों के मामलों में दूसरे सबसे बड़े देश भारत में संक्रमितों की संख्या एक करोड़ तीन लाख पांच हजार से अधिक हो गयी है, जबकि 99.06 लाख से अधिक लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं। नए मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक रहने से सक्रिय मामले घटकर 2.50 लाख रह गए हैं, जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 1,49,218 हो गई है। ब्राजील में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 77 लाख से ज्यादा हो गई है, जबकि इस महामारी से 1,95,411 मरीजों की मौत हो चुकी है।

रूस में 56000 से अधिक की मौत, जर्मनी में 17 लाख से ज्यादा संक्रमित

रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या करीब 31.54 लाख हो गई है, जबकि 56,798 लोगों की मौत हो गई है। फ्रांस में 26.97 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं और 64,892 मरीजों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में 25.49 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 74,237 लोगों की मौत हुई है। इटली में अब तक 21.29 लाख से अधिक लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं और 74,621 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 19.28 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 50,837 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में 17.62 लाख से ज्यादा लोग आ चुके हैं तथा 33,885 लोगों की मौत हुई है।

मुंबई हमले का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा सरगना जकीउर रहमान लखवी गिरफ्तार

मुंबई में 26/11 हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के सरगना जकीउर रहमान लखवी को पाकिस्तान में गिरफ्तार कर लिया गया। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जकीउर रहमान लखवी को आतंकियों की मदद और पैसे मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि जकीउर रहमान लखवी ने हाफिज सईद के साथ मिलकर 26/11 के हमले की साजिश रची थी। लखवी मुंबई हमला मामले में 2015 से ही जमानत पर था। उसे आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने गिरफ्तार किया। बहरहाल, सीटीडी ने उसकी गिरफ्तारी कहां से हुई, इस बारे में नहीं बताया है। इसने कहा, सीटीडी पंजाब द्वारा खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान में प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी जकी-उर-रहमान लखवी को आतंकवादी गतिविधियों के लिये धन मुहैया कराने के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया।

इसने बताया कि लखवी (61) को लाहौर के सीटीडी थाने में आतंकी वित्त पोषण से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया। सीटीडी ने कहा, लखवी पर एक दवाखाना चलाने, जुटाए गए धन का इस्तेमाल आतंकवाद के वित्त पोषण में करने का आरोप है। उसने और अन्य ने इस दवाखाने से धन एकत्रित किएए और इस धन का इस्तेमाल आतंकवाद के वित्त पोषण में किया। उसने इस धन का इस्तेमाल निजी खर्च में भी किया।

सीटीडी ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर- ए- तैयबा से जुड़े होने के अलावा वह संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित आतंकवादियों की सूची में भी शामिल है। इसने कहा, उसके खिलाफ मुकदमा लाहौर में आतंकवाद निरोधक अदालत में चलेगा।

26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई को बम धमाकों और गोलीबारी से दहला दिया था। इस आतंकी हमले को 12 साल हो गए हैं लेकिन यह भारत के इतिहास का वो काला दिन है जिसे कोई भूल नहीं सकता। हमले में 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। मुंबई हमले को याद करके आज भी लोगों को दिल दहल उठता है।

आतंकी हमले को लेकर मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया ने अपनी किताब में दावा किया है कि साल 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले को लश्कर 'हिंदू आतंकवाद' के तौर पर दिखाना चाहता था। इसके अलावा आतंकी कसाब को वह बेंगलुरु के समीर चौधरी के तौर पर मारना चाहता था।

राकेश मारिया ने अपनी किताब 'लेट मी से इट नाउ' में मुंबई हमले समेत कई अन्य मामलों पर भी बड़े दावे किए हैं। किताब के अनुसार, आईएसआई और लश्कर आतंकी कसाब को जेल में ही खत्म करना चाहते थे और इसकी जिम्मेदारी दाउद इब्राहिम गैंग को दी थी। लश्कर के मुंबई हमले के बारे में बताते हुए मारिया ने किताब में लिखा है, 'अगर सबकुछ योजना के अनुसार चलता तो कसाब चौधरी के तौर पर मरता और हमले के पीछे 'हिंदू आतंकवादियों' को माना जाता।'

अमेरिका में भारत के खिलाफ रवैये के लिए चीन की निंदा वाला विधेयक बना कानून, ट्रंप का वीटो हुआ खारिज

अमेरिकी कांग्रेस के एक द्विदलीय विधेयक में भारत के प्रति चीन के आक्रामक रुख की निंदा की गई है। यह विधेयक अब कानून का रूप ले चुका है क्योंकि सदन ने इस पर ट्रंप के वीटो को खारिज कर दिया। सदन ने 740 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा नीति विधेयक पर ट्रंप के वीटो को खारिज कर दिया। इस विधेयक में कई अन्य चीजों के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की निंदा भी शामिल है। नेशनल डिफेंस ऑथोराइजेशन एक्ट (एनडीएए) शुक्रवार को कानून बन गया। इसमें एक ऐसा भी प्रस्ताव है जिसमें चीन सरकार से अपील की गई है कि वे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत के प्रति सैन्य आक्रामक रुख को खत्म करें। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 दिसंबर को इस विधेयक पर वीटो इस्तेमाल किया था। हालांकि इस विधेयक को डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन सांसदों का समर्थन हासिल हुआ। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप का कहना था कि इसमें ऐसे प्रावधान हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। ट्रंप के कार्यकाल के अंतिम दिनों में उनके लिए यह झटके की तरह है। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, "आज नए साल के अवसर पर सदन में वोट के साथ संसद ने नेशनल डिफेंस ऑथोराइजेशन एक्ट को कानून बना दिया है। इसमें मेरे प्रस्ताव की कुछ बातें भी शामिल हैं जिसमें चीन से भारत के प्रति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आक्रामक रुख खत्म करने के लिए कहा गया है।" चीन और भारत के बीच पिछले साल मई से ही पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध जारी है।

‘कुली नं 1’ को लेकर हुई आलोचना पर एक्टर वरुण धवन बोले- हां, मैं कूल नहीं हूं और न मुझे फर्क पड़ता है

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और सारा अली खान स्टारर फिल्म ‘कुली नं 1’ 25 दिसंबर को रिलीज हुई थी। इसे ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज किया गया था। सोशल मीडिया पर फिल्म को मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला। कुछ लोगों को यह फिल्म काफी एंटरटेनिंग भी लगी।

वहीं, कुछ ने इसकी आलोचना की। वरुण धवन के लिए फिल्म पर लोगों का रिस्पॉन्स काफी मायने रखता है। हाल ही में फिल्म की आलोचना को लेकर वरुण धवन से बातचीत की गई, जिस पर एक्टर ने कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हर चीज तो हिट नहीं हो सकती है न। एक न्यूज पोर्टल से बातचीत में वरुण धवन ने कहा, “चीजें करना मुश्किल होता है। जिंदगी से भी कई चीजें बड़ी होती हैं। उन चीजों के प्रति आपके अंदर सहनशीलता होनी जरूरी होती है। मैं एंजॉय करता हूं। मेरे लिए एक फिल्म बनाना मतलब सभी को प्लीज करना होता है। जनता का रिएक्शन मेरे लिए काफी मायने रखता है।”

वरुण आगे कहते हैं कि मैं फेक हो सकता हूं और कूल बनने की भी कोशिश कर सकता हूं, क्योंकि मेरी फिल्म ओटीटी पर है। यह मेरी ऑडियंस है और मैं इसी के लिए काम करता हूं। जो कोई कहता है कि मैं कूल नहीं हूं, क्योंकि मैं कई खराब फिल्में भी करता हूं तो ठीक है मैं कूल नहीं हूं और मुझे फर्क नहीं पड़ता है।

मालूम हो कि फिल्म ‘कुली नं 1’ का निर्देशन वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने किया है। इसमें वरुण धवन और सारा अली खान रोमांस करते नजर आए हैं। फिल्म की कहानी पुरानी ‘कुली नं 1’ जैसी ही रही है।

अनुषा दांडेकर ने तोड़ी करण कुंद्रा संग ब्रेकअप पर चुप्पी, कहा- मेरे साथ धोखा किया और झूठ बोला

टीवी पर्सनैलिटी अनुषा दांडेकर ने आखिरकार अपने ब्रेकअप पर चुप्पी तोड़ दी है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने जानकारी दी है कि ब्वॉयफ्रेंड करण कुंद्रा संग उनका ब्रेकअप हो चुका है। करण और अनुषा के ब्रेकअप की खबरें अप्रैल 2020 से सुर्खियों में हैं। दोनों ही इस बात पर चुप्पी साधे हुए थे, लेकिन अब अनुषा ने साफ कर दिया है कि दोनों अब साथ में नहीं हैं। अनुषा ने ब्रेकअप पर अपने इमोशन्स जाहिर करते हुए एक लंबी-चौड़ी पोस्ट लिखी है। उन्होंने बताया है कि ब्रेकअप की वजह धोखा मिलने के साथ और भी रही हैं। अनुषा लिखती हैं, “तो यहां सच्चाई है, साल का अंत होने से पहले मैं इसके बारे में बताना चाहती हूं। हां, मैंने ‘लव स्कूल’ शो किया। हां, मैं एक लव प्रोफेसर रही। हां, मैंने जो कुछ भी शेयर किया और कपल्स को राय दी, वह दिल से और पूरी ईमादारी से दी। हां, मैं प्यार शिद्दत से करती हूं, इतनी शिद्दत से कि मैं आखिर तक उसे नहीं छोड़ती जब तक कुछ बचे ही न। कोशिश और लड़ाई करती रहती हूं। हां, मैं भी एक इंसान हूं। हां, मैंने भी खुद को खोया है और खुद की सेल्फ-रिस्पेक्ट खोई है। हां, मेरे साथ धोखा हुआ है और झूठ भी बोला गया है। हां, मैंने माफी का इंतजार किया है जो कि आज तक नहीं आई है। हां, मैंने सीखा है खुद को माफ करना और हां, मैं आगे बढ़ी हूं, बढ़ रहू हूं और बढ़ती रहूंगी, इन सभी चीजों से, और हमेशा पॉजिटिव की ओर देखूंगी।”

अनुषा आगे लिखती हैं कि आप सभी लोगों ने मुझे खुलेआम प्यार करते देखा है, अब आप मुझे खुद से प्यार करते देखेंगे तब तक, जब तक मुझे किसी और से प्यार नहीं हो जाता। आखिर में मेरी राय यह रहेगी कि लव कई तरह से आपके पास आता है, बस उसका इतना उपभोग न करें कि उसमें आप खुद को ही खो बैठें। प्यार को इज्जत, सच्चाई और ईमानदारी तक ही रहने दें। मैं डिजर्व करती हूं, आप डिजर्व करते हैं। सबसे जरूरी चीज होती है समझना, क्योंकि हम प्यार को उस तरह अपनाते हैं, जिस तरह हम सोचते हैं कि हम डिजर्व करते हैं। अनुषा लिखती हैं, “शुक्रिया, मुझे उस तरह प्यार करने के लिए, जिस तरह आप मेरी ए टीम को करते हैं, आई लव यू। हमेशा आभारी हूं अच्छे और बुरे के लिए, मैंने सारे पाठ पढ़ लिए हैं और सीख भी लिए हैं, मेरी लव स्टोरी अब मेरे खुद के साथ शुरू होगी।”

अनुषा दांडेकर की इस पोस्ट पर उनकी बहन शिबानी और दोस्तों का उन्हें सपोर्ट मिला है। पब्लिक प्लैटफॉर्म पर ब्रेकअप के बारे में बात करने को लेकर सभी ने सराहना की है। अनुषा और करण करीब चार साल से साथ थे। इन्होंने साथ में रिएलिटी शो ‘लव स्कूल’ भी होस्ट किया था, जिसमें दोनों ही लव प्रोफेसर बने थे।

जब दिलीप कुमार ने कारगिल के बाद नवाज शरीफ से फोन पर कहा, 'आपसे यह उम्मीद नहीं थी'

बॉलीवुड के गुजरे जमाने के सुपरस्टार रहे राजकपूर और दिलीप कुमार के पैतृक घरों को खरीदने के लिए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य की सरकार ने रकम को मंजूरी दे दी है। सरकार ने दोनों बॉलीवुड स्टार्स के घर को म्यूजियम बनाने के लिए खरीदने का फैसला लिया है। दोनों के घरों को उनके नाम से ही म्यूजियम के तौर विकसित किया जाएगा और इनके बारे में बता जाएगा। दोनों सितारों का जन्म भारत विभाजन से पहले पेशावर में हुआ था, लेकिन बाद में दोनों पाकिस्तान से मुंबई आ गए थे। पाकिस्तान में दिलीप कुमार की लोकप्रियता हमेशा से रही है। हाल ही में अपना जन्मदिन 98वां जन्मदिन मनाने वाले दिलीप कुमार की पाकिस्तान में लोकप्रियता का अंदाजा इससे भी लगा सकते हैं कि वह दोनों देशों के बीच कई बार 'संवाद सेतु' का काम कर चुके हैं। यही नहीं देश के पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने भी एक बार उनसे आग्रह किया था कि वह पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ से बात करें। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने अपनी पुस्तक में यह खुलासा किया था। कसूरी के मुताबिक कारगिल युद्ध के दौरान स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी ने दिलीप कुमार से आग्रह किया था कि वह नवाज शरीफ से बात करें। कसूरी ने नवाज शरीफ के मुख्य सचिव रहे सईद मेहदी के हवाले से लिखा था,

'एक दिन जब सईद पीएम नवाज शरीफ के पास बैठे थे तो फोन बजा और एडीसी ने सूचना दी कि भारत के पीएम अटल बिहारी वाजेयपी आपसे तुरंत बात करना चाहते हैं।'

कसूरी ने अपनी किताब में दावा किया था कि बातचीत खत्म होने से पहले वाजपेयी ने कहा था कि मैं अपने बगल में बैठे एक व्यक्ति से आपकी बात कराना चाहता हूं। दिलीप कुमार की आवाज सुनकर नवाज शरीफ आश्चर्यचकित रह गए थे। दिलीप कुमार ने नवाज शरीफ से कहा था, 'मियां साहिब, हमें आपसे यह उम्मीद नहीं थी क्योंकि आप हमेशा खुद को भारत और पाकिस्तान के बीच शांति का सबसे बड़ा समर्थक बताते थे।' कसूरी ने अपनी पुस्तक में लिखा था, 'दिलीप कुमार ने नवाज शरीफ से कहा कि मैं आपको बता दूं कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच भारतीय मुस्लिमों के लिए मुश्किल होती है। उनके लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल होता है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कुछ करिए।'

फिल्म एग्जिबिटर्स ने सलमान खान को लिखा लेटर, 'राधे' को लेकर की यह खास अपील

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान इन दिनों अपनी नई फिल्म राधे को लेकर सुर्खियों हैं। चर्चा है कि यह फिल्म डिजिटल प्लैटफॉर्म पर रिलीज हो सकती हैं। इस बीच कई फिल्म एग्जिबिटर्स ने सलमान खास से अपील की है कि वह अपनी इस फिल्म को थियेटर्स में रिलीज करें।

एग्जिबिटर्स का मानना है कि अगर सलमान खान बड़े पर्दे पर फिल्म राधे को रिलीज करते हैं तो इससे दर्शक थियेटर्स की तरफ रुख करेंगे।

एग्जिबिटर्स ने सलमान खान को लेटर लिखकर बताया कि सिनेमाघरों में काम करने वाले लाखों लोगों की हालत खराब है। ऐसे में अगर आप थियेटर्स में फिल्म राधे को रिलीज करते हैं तो यह उनके लिए किसी ईदी से कम नहीं है। बता दें कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ दिशा पाटनी लीड रोल में हैं। इसके अलावा जैकी श्रॉफ और रणदीप हुड्डा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म साल 2020 के ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना के चलते बीच में शूटिंग रोकनी पड़ी। फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है।

पति से बड़ी हैं श्वेता त्रिपाठी, पर ससुर के दोस्त ने देखते ही कहा- बेटे के मुकाबले काफी कम है उम्र

मसान और हरामखोर जैसी फिल्मों से बॉलीवुड में जगह बनाने वालीं श्वेता त्रिपाठी के लिए साल 2020 काफी अच्छा रहा है। भले ही पूरी दुनिया में कोरोना के कहर के चलते 2020 को बुरी यादों के लिए जाना जाएगा, लेकिन मिर्जापुर वेब सीरीज के दूसरे सीजन के चलते श्वेता त्रिपाठी को करियर में बड़ी बढ़त मिली है। श्वेता त्रिपाठी के फैन्स अकसर उनकी उम्र को लेकर कयास लगाते रहते हैं। इसकी वजह यह है कि वह अपनी उम्र से काफी कम की दिखती हैं। श्वेता त्रिपाठी भले ही आज 35 साल की हैं, लेकिन अकसर लोग उन्हें काफी कम उम्र का समझते हैं। यहां तक कि उनके ससुर के एक दोस्त ने भी शादी से पहले उन्हें पहली बार देखते ही बोला था, क्या यह चैतन्य के लिए बहुत छोटी नहीं है?

एक इंटरव्यू में पति से ज्यादा उम्र होने के सवाल पर श्वेता त्रिपाठी ने इस वाकये के बारे में बताया था। श्वेता त्रिपाठी कहती हैं, 'वह मुझसे छोटे हैं, लेकिन हमेशा मैं खुद को युवा महसूस करती हूं। यहां तक कि एक बार जब चैतन्य के पिता शादी से पहले अपने एक दोस्त के साथ टीवी देख रहे थे तो मेरा एक ऐड आने पर बोले थे, क्या तुम जानते हो कि यह चीता की गर्लफ्रेंड है? इस पर उनके दोस्त ने कहा था कि यह उसके लिए बहुत छोटी नहीं है?' श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि हर कोई उन्हें देखकर उनकी उम्र के बारे में भूल जाता है। श्वेता त्रिपाठी और चैतन्य शर्मा ने 2018 में शादी की थी। 5 साल लंबे रिलेशनशिप के बाद दोनों ने यह फैसला लिया था। श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि आप प्यार करते हैं तो उसमें उम्र और लंबाई जैसे मसले मायने नहीं रखते। वह कहती हैं कि चैतन्य की हाइट 6 फुट है, जबकि मेरी लंबाई 5 फीट है। स्टीरियोटाइप रोल से अलग अभिनय कर चर्चा पाने वालीं श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि वह कभी सिर्फ पैसों के लिए फिल्म साइन नहीं करतीं। श्वेता त्रिपाठी कहती हैं, 'मैं हमेशा स्टोरी और कैरेक्टर के प्रति आकर्षित होती हूं। यदि कोई कैरेक्टर या स्टोरी मुझे एक्साइट नहीं कहती है तो फिर मैं नहीं करती।'

शाहरुख खान ने फैन्स को खास अंदाज में दी न्यू ईयर की बधाई, बोले- 2021 में बड़े पर्दे पर होगी मुलाकात

सुपरस्टार शाहरुख खान ने अपना एक वीडियो शेयर कर फैन्स को न्यू ईयर की बधाई दी है।

उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद यह वीडियो रिकॉर्ड किया है, क्योंकि उनके स्टाफ के लोग मौजूद नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने हिंट दिया है कि उनकी फिल्म पठान साल 2021 में रिलीज होगी।

वीडियो में शाहरुख खान नाइट सूट में नजर आ रहे हैं।

वह पहले मच्छरों को भगाने की कोशिश करते हैं और फिर अपने बालों को ठीक करते नजर आते हैं। शाहरुख खान कहते हैं, ‘'मेरा मानना है कि जब कोई इंसान अपनी खराब स्थिति में होता है और फिर बहुत नीचे पहुंच जाता है तो उसके पास आगे बढ़ने का एक ही रास्ता होता है और वह है ऊपर उठना। इसलिए साल 2020 जैसा भी रहा हो, लेकिन अब वह बीत गया है और मुझे उम्मीद है कि साल 2021 हमारे लिए अच्छा और खूबसूरत होगा।"

शाहरुख खान ने अपने फैन्स से अपील की कि उन्हें लंबे-लंबे मैसेज न भेजें। इसके बजाय आप लोग हैप्पी न्यू ईयर लिखकर भेज दें जो कि काफी है।

वीडियो के आखिर में शाहरुख खान ने कहा कि साल 2021 में बड़ी स्क्रीन पर मिलते हैं। बताते चलें कि शाहरुख खान इन दिनों अपनी नई फिल्म पठान को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। इसमें उनके अलावा जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं जो इससे पहले 'वॉर' और 'बैंग बैंग' जैसी एक्शन फिल्मों का डायरेक्शन कर चुके हैं। शाहरुख खान आखिरी बार साल 2018 में फिल्म जीरो में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी।

अपना फोन चार्ज करना चाहते थे अक्षय कुमार, तभी हुआ कुछ ऐसा कि चौंक गए एक्टर

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार सोशल मीडिया पर भी फैन्स को एंटरटेन करने का मौका नहीं छोड़ते हैं। अब उन्होंने अपने इंस्टग्राम अकाउंट पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है। दरअसल, वह अपना मोबाइल चार्ज करने जा रहे थे तभी कुछ ऐसा हुआ कि वह चौंक गए।

अक्षय कुमार ने अपने घर के इलेक्ट्रिक सॉकेट की फोटो शेयर की है जिसमें एक मेंढक बैठा हुआ नजर आ रहा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ‘'मैं फोन चार्ज करने जा रहा था लेकिन लगता है कि मुझे कोई और जगह देखनी होगी। इस जगह पर तो किसी और ने कब्जा कर लिया है।" अक्षय के इस पोस्ट पर फैन्स मजेदार कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, "बेयर ग्रिल्स का नाश्ता।" दूसरे यूजर ने लिखा, "हां, अभी तक तो वह मस्त तेल में फ्राय करके खा गया होता या फिर कच्चा ही। अक्षय कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म सूर्यवंशी रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में उनके साथ कैटरीना कैफ लीड रोल में हैं। यह फिल्म पहले मार्च, 2020 में रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना के चलते टाल दी गई। फिल्म सूर्यवंशी में अक्षय के अलावा अजय देवगन और रणवीर सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुछ दिनों पहले ही अक्षय कुमार ने फिल्म अतरंगी रे की शूटिंग शुरू की थी। इसमें वह सारा अली खान और साउथ फिल्मों के सुपरस्टार धनुष लीड रोल में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल रिलीज हो सकती है।

श्री रतन टाटा जी के जन्म दिवस के अवसर पर डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर कोरोना योद्धा पुरस्कार संपन्न हुवा. के रवि द्वारा आयोजित.

डा बाबा साहेब आंबेडकर कोरोना वारियर्स अवार्ड और रतन टाटा ७८ वे जन्म दिन के उपलक्ष्य में इण्डिया मिडिया लिंक के करण धार सामाजिक कार्यकर्ता के.रवि दादा जो (ब्रदर्स टेरेसा) के नाम से जानें जाते हैं सर्व धर्म शिक्षा समभाव में विश्वास करने बाले ।(विजय कलनतरी , के रवि दादा) जोड़ी नम्बर वन के सहयोग से आयोजित समारोह सम्पन्न हुआ जिसमें डाक्टर ,पोलिस आफिसर, सामाजिक कार्यकर्ताओं को कोरोना वारियर्स से सम्मानित किया गया अपंग निर्धन लोगों को सम्मानित और मनचाहा भोजन उपलब्ध कराया गया वडाला के नगर सेवक कोरोना वारियर्स सूफियान नियाज़ वानू

बालीवुड की मिडिया और कलाकारों संगीतकार अन्य का भी सहयोग रहा आदरणीय श्री रमाकांत मुंडे ,विजय तस्वीर जी दिनेश परेसा भाई जाने संगीत सम्राट तानसेन के घराने से दिलीप सेन जी अभिनय के प्रसिद्ध कलाकार अली खान , एफ आई आर कामेडियन कलाकार श्री गोपी भल्ला जी माडल कलाकार आमिर अली, हिमाचल के वादियों की उभरती नायिका मिस हिमाचल, प्रियांजली ठाकुर बालीवुड की जोशीले शैली की एंकर , पूजा प्रजापति,सभी के सहयोग से आभार व्यक्त हुआ मिडिया कवरेज मुंडे मीडिया के डायरेक्टर रमाकांत मुंडे जी ने किया.

पत्नी श्वेता संग डिनर डेट पर पहुंचे आदित्य नारायण, पैपराजी से बोले- फोटो मत खींचना, वजह जानकर छूट जाएगी आपकी हंसी

फेमस सिंगर आदित्य नारायण और श्वेता अग्रवाल की शादी को एक महीना हो गया है। दोनों पिछले साल 1 दिसंबर को शादी के बंधन में बंधे थे। इस खास मौके पर आदित्य नारायण पत्नी श्वेता के साथ डिनर डेट पर गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर डिनर डेट की कुछ फोटोज शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने मजेदार कैप्शन लिखा है, जिसे पढ़कर आपकी भी हंसी नहीं रुक पाएगी।

आदित्य नारायण ने अपने इंस्टाग्राम इन तस्वीरों को पोस्ट किया है, जिसमें वह पत्नी श्वेता अग्रवाल के साथ डिनर एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ‘'हैप्पी मंथ एनिवर्सरी मेरी प्यारी वाइफ। मजाक-मजाक में एक महीना भी बीत गया। ऐसे ही आपके साथ खूबसूरती से सारी जिंदगी भी बीत जाएगी। मेरी पैपराजी से गुजारिश है कि कृपया डिनर के बाद हमारी फोटोज ना खींचें क्योंकि इतना भारी भोजन करके पेट को अंदर नहीं खींच पाता मैं।’'

शादी के दौरान आदित्य का फट गया था पायजामा

हाल ही में इंडियन आइडस शो में ‘शादी स्पेशल’ एपिसोड रखा। शो के दौरान भारती और हर्ष ने आदित्य नारायण को लेकर एक मजेदार इंसिडेंट के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि शादी की रस्मों के दौरान आदित्य का पायजामा फट गया था। वरमाला के दौरान जब आदित्य के एक दोस्त ने उन्हें गोद में उठाया तो उनका पायजामा फट गया था। इस वाक्य पर सभी काफी हंसे थे। सिर्फ यही नहीं, इसके बाद आदित्य ने अपने जिगरी दोस्त चिंकू का पायजामा पहना था, बाकी की शादी की रस्में उन्होंने वही पायजामा पहनकर कीं। इस पर आदित्य नारायण ने बताया कि यह वाक्या उनके लिए काफी अजीब था। बाद में उन्हें समझ आया कि दूल्हे को

शादी के दौरान क्यों आरामदायक कपड़े पहनने की सलाह देते हैं। आदित्य कहते हैं कि जब वरमाला हो रही थी तो मेरे दोस्तों ने मुझे ऊपर उठाया, जिस दौरान मेरा पायजामा फट गया था। मेरे लिए यह काफी अजीब बात हुई थी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या करूं? मैंने इसके बाद अपने मेकअप आर्टिस्ट का पायजामा पहना जो फिट नहीं आ रहा था। बाद में मेरा दोस्त चिंकू वहां आया, जिसने मुझे पायजामा ट्राई करने के लिए दिया। इत्तेफाक से उसका पायजामा एकदम ठीक आया। चिंकू के पायजामा में मैंने शादी की रस्में कीं। यह स्टोरी मेरी जिंदगी की सबसे अजीब स्टोरीज में शामिल रहेगी।

अगर आपके खाते से होती है पैसे की चोरी, तो बैंक होंगे जिम्मेदार

अक्सर देखने को मिलता है कि साइबर ठग किसी के बैंक खाते में सेंध लगा देते हैं और उनके मेहनत की मोटी कमाई मिनटों में छूमंतर हो जाती है। लेकिन अब अकाउंट हैक होने पर ग्राहक को चिंता करने की जरूरत नहीं है। अब इसकी सीधी ज़िम्मेदारी बैंक पर होगी। बैंक ही ऑनलाइन फ्रॉड में हुए नुकसान की भरपाई करेगा।

नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग का इस्तेमाल करते समय हमें कई तरह की सावधानियां बरतनी पड़ती है। अक्सर देखने को मिलता है कि साइबर ठग किसी के बैंक खाते में सेंध लगा देते हैं और उनके मेहनत की मोटी कमाई मिनटों में छूमंतर हो जाती है। लेकिन अब अकाउंट हैक होने पर ग्राहक को चिंता करने की जरुरत नहीं है। अब इसकी सीधी ज़िम्मेदारी बैंक पर होगी। बैंक ही ऑनलाइन फ्रॉड में हुए नुकसान की भरपाई करेगा। दरअसल यह फैसला राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने सुनाया है। आयोग ने क्रेडिट कार्ड हैकिंग की वजह से हुई धोखाधड़ी के मामले में बैंक प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है।

आयोग ने एक एनआरआई महिला के साथ हुए फ्रॉड में बैंक को यह आदेश दिया कि वह पीड़ित महिला को 6110 अमेरिकी डॉलर को 12 प्रतिशत ब्याज के दर से वापस लौटाए। पूरा मामला यह है कि अमेरिका में रहने वाली एक महिला जेसना जोस के लिए मुंबई में रहने वाले उसके पिता ने एचडीएफसी बैंक से एक कार्ड 2007 में ख़रीदा था। जिसके बाद 2008 में बैंक ने उसके पिता से 310 डॉलर निकासी की सूचना मांगी। जिस पर पिता ने कहा कि ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया गया है।

उसके बाद बैंक ने महिला के पिता को बताया कि आपके कार्ड से 14 से 20 दिसंबर के बीच करीब 6 हजार डॉलर की निकासी की गयी है। इस पर महिला ने अमेरिका में शिकायत दर्ज करायी कि किसी ने कार्ड हैक कर उसके खाते से रूपये निकाले हैं। महिला ने इसकी शिकायत राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में की। आयोग ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाया। हालाँकि आरबीआई ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि ऐसे मामलों में ग्राहक को किसी तरह के नुकसान की चिंता करने की जरुरत नहीं है। इस मामलों में जहाँ गलती ना तो बैंक की है और ना ग्राहक की। लेकिन सिस्टम में थोड़ी समस्या रहती है। इसलिए अनाधिकृत लेनदेन की सूचना मिलने के तीन दिनों के भीतर शिकायत दर्ज करा देने पर नुकसान ग्राहक को नहीं भरना पड़ेगा।

निर्माण क्षेत्र में लौटी बहार... महाविकास आघाड़ी सरकार का काम आया प्लान, चार महीने में 367 करोड़ राजस्व जमा

मुंबई, कोरोना महामारी से बचाव के लिए घोषित लॉकडाउन के कारण मंदी की मार झेल रही अर्थव्यवस्था राज्य सरकार के प्रयासों से धीरे – धीरे पटरी पर लौटने लगी है।

खासकर स्टांप ड्यूटी में कमी किए जाने से निर्माण कार्य क्षेत्र में उछाल आया है। बीते चार महीने में ४८ प्रतिशत पंजीकरण वृद्धि के साथ राज्य के राजस्व में ३६७ करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी हुई है। घर खरीदने वालों में इजाफा बाजार में मंदी और आर्थिक मंदी को संवारने के लिए राज्य के राजस्व विभाग ने निर्माण क्षेत्र और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए स्टैंप ड्यूटी कम करने की योजना बनाई। इस फैसले से निर्माण क्षेत्र को संजीवनी मिलने के साथ ही घर खरीदारों को भी बहुत फायदा हुआ है। स्टैंप ड्यूटी पर कुल ३ फीसदी की छूट दी गई। इस रियायत से निर्माण क्षेत्र को गति मिली और घर खरीदने वालों में भी इजाफा हुआ।

साथ ही से राज्य के खजाने में भी राजस्व की वृद्धि हुई है। अर्थव्यवस्था व उद्योग को मिली गति राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है। राजस्व विभाग द्वारा लागू की गई योजना के परिणामस्वरूप निर्माण कार्य क्षेत्र में ४८ प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सितंबर से दिसंबर इन चार महीनों में बीते साल २०१९ की तुलना में राजस्व में ३६७ करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। राज्य की अर्थव्यवस्था और उद्योग को गति मिली है। राजस्व विभाग द्वारा निर्माण क्षेत्र को दी गई संजीवनी के कारण इस क्षेत्र में बहुत बड़ा कारोबार हुआ है।

पर्यावरण संरक्षण ही बने प्रत्येक की जीवनशैली- मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

'मेरी वसुंधरा' ई-शपथ अभियान की शुरुआत

मुंबई, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पर्यावरण के जतन और संरक्षण पर बल देते हुए उसे प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली में आत्मसात करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी उपक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे सभी लोगों का अभियान बनाना चाहिए। 'मेरी वसुंधरा' अभियान चलाते हुए इसमें सभी लोगों को शामिल किया जाए और इसे जनआंदोलन का रूप दिया जाना चाहिए। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 'मेरी वसुंधरा' अभियान कार्यान्वित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 'मेरी वसुंधरा' ई-शपथ (ई-प्रतिज्ञा) पहल को लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कल ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान राज्य के पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात, कौशल विकास मंत्री नवाब मलिक, नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे, पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे सहित संबंधित विभागों के आला अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा की शपथ लेकर नए साल की शुरुआत करने का रास्ता दिखाया गया है। यह अभियान न केवल देश को बल्कि दुनिया को भी पर्यावरण संरक्षण की एक नई दिशा देगा। कोरोना संकट ने हमें कई चीजें सिखाई हैं। लॉकडाउन के दौरान हर जगह प्रदूषण में बड़ी कमी आई थी। हम विकास करते समय पेड़ों को काटते हैं। विकास होने के बाद सड़कों पर ऑक्सीजन प्राप्त करने के लिए मशीनों का उपयोग करते हैं। विकास के इस असंतुलन को दूर करके पर्यावरण अनुकूल विकास हासिल करना होगा। इसके लिए हम राज्य में पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग को पूरा समर्थन देंगे। 'दो इमारतों के बीच उगता सूरज'मुख्यमंत्री ने पर्यावरण बदलाव का कुछ उदाहरण देते हुए बताया कि अतीत में हम चित्रकला की प्रतियोगिता आयोजित करते थे। तो कई बच्चे उगते सूरज का चित्र बनाते समय दो पहाड़ों के बीच उगते सूर्य का चित्र उकेरते थे। लेकिन अब बच्चे दो इमारतों के बीच उगते सूरज की तस्वीर बनाते हैं। यह स्थिति खतरनाक है और हम सभी पर एक बड़ी जिम्मेदारी है कि हम आनेवाली पीढ़ियों के लिए नदियों, पहाड़ों, प्रकृति, पर्यावरण की देखभाल करें। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग ने पांच सिद्धांतों को केंद्र में रखकर पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक बड़ी पहल की है। इससे 'मेरी वसुंधरा' अभियान को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा। राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात ने कहा कि जलवायु परिवर्तन मानवता के सामने एक बड़ा संकट है। इस संकट को दूर करने के लिए सभी को इस अभियान में सहयोग देना चाहिए। विकास और पर्यावरण का संतुलन जरूरी -आदित्य ठाकरे

पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण तूफान, बेमौसम बारिश, सूखा, बाढ़ जैसे विभिन्न संकट आ रहे हैं। मानव जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। पिछले एक साल के दौरान राज्य में ऐसे विभिन्न आपदा पीड़ितों को लगभग १३ हजार करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है। लेकिन अब हमें ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए ठोस प्रयास करना होगा। विकास और पर्यावरण का संतुलन बनाते हुए राज्य ने पर्यावरण के अनुकूल स्थाई विकास का ध्यान रखा है।

विभिन्न योजनाओं को मूर्तरूप

आरे की भूमि, १० संरक्षित वनों की घोषणा, हजारों एकड़ क्षेत्र को मैंग्रोव्ज क्षेत्र घोषित करने जैसे विभिन्न निर्णय लिए जा रहे हैं। हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे समृद्धि महामार्ग को पर्यावरण के अनुकूल बनाने को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ठाणे बना नंबर वन!... 623 पर हुई कार्रवाई...नशे में चला रहे थे वाहन

ठाणे, अक्सर नए वर्ष के स्वागत में लोग शराब पीकर गाड़ियां चलाते हैं। पुलिस कितनी भी कार्रवाई क्यों न कर ले, लेकिन शराब पीकर वाहन चलानेवाले अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। गुरुवार को नए वर्ष के स्वागत में ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत शराब पीकर गाड़ी चलानेवालों ने रिकॉर्ड ही बना दिया। पुलिस के अनुसार ड्रंक एंड ड्राइव मामले में महाराष्ट्र में सबसे अधिक कार्रवाई ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत की गई।

बता दें कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सुरक्षा की दृष्टि से ५ जनवरी तक रात ११ बजे से सुबह ५ बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाया है। इसी परिप्रेक्ष्य में पुलिस ने थर्टी फर्स्ट के दौरान उपवन, कोलशेत और शहर के अन्य पर्यटन और भीड़-भाड़वाले स्थानों पर शाम से ही कर्फ्यू लगा दिया था। इसके बावजूद लोग बाज नहीं आए और उनको इसका परिणाम भुगतना पड़ा।

जानकारी के अनुसार ठाणे से बदलापुर और भिवंडी तक कुल ६२३ शराब पीकर वाहन चलानेवालों के खिलाफ कार्रवाई की गई, इसमें शराब पीकर वाहन चलानेवाले ४१६ चालकों और उनके साथ यात्रा करनेवाले २०७ सहयात्रियों का समावेश है। ज्यादातर कार्रवाइयां भिवंडी शहर के नारपोली इलाके में की गईं। पुलिस ने यहां १०७ शराबी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र में ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत ड्रंक एंड ड्राइव मामले में सबसे अधिक कार्रवाई की गई है।

दिल्ली में बारिश के चलते बिहार-झारखंड में भी छाएंगे बादल

पटना: दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश का साइड इफेक्ट बिहार में भी दिखने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में भी बादलों छाए दिख सकते हैं। अनुमान है कि अगले दो दिन तक बिहार में कई जगहों पर हल्के बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर भारत में बदले हुए मौसम के मिजाज का असर बिहार में भी देखने को मिलेगा।

बिहार के मौसम का हाल शुक्रवार से शनिवार के दौरान राजधानी पटना समेत बिहार के ज्यादातर शहरों में तापमान नीचे गिरा है। राजधानी पटना का न्यूनतम तापमान शुक्रवार को 7.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था तो शनिवार को ये नीचे गिर कर 6.1 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा। शनिवार को गया जिला बिहार में सबसे ठंडा रहा। गया का न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। भागलपुर का न्यूनतम तापमान 9.4 और पूर्णिया का 8.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

जीएसटी का जंबो कलेक्शन! जनता से हो रही है जबरदस्त वसूली पर राज्यों को नहीं दिया जा रहा हिस्सा

मुंबई, कोरोना वायरस के कारण जारी किए गए लॉकडाउन की वजह से देश की अर्थव्यवस्था डगमगा गई थी। लॉकडाउन के कारण आम लोगों की नौकरियां छूट गईं और लोगों के व्यवसाय भी ठप पड़ गए थे। केंद्र सरकार ने आम लोगों को जीएसटी फाइल करने के लिए ३ महीने की मोहलत दी थी। मोहलत समाप्त होकर अब ३ महीने हो चुके हैं। अब आम लोग अपना जीएसटी फाइल करते नजर आ रहे हैं। जीएसटी लागू होने के बाद से दिसंबर, २०२० के दौरान जीएसटी राजस्व सबसे अधिक रहा है और यह पहली बार है जब जीएसटी की वसूली १.१५ लाख करोड़ रुपए तक की वसूली केंद्र सरकार ने की है। आंकड़े साफ जाहिर कर रहे हैं कि केंद्र सरकार ने 'कुटिल' कारनामे के अंतर्गत लॉकडाउन और लॉकडाउन के बाद आम लोगों से जमकर जीएसटी की वसूली की है। जीएसटी का जंबो कलेक्शन होने के बाद भी केंद्र सरकार अन्य राज्य सरकारों को उनका हिस्सा देने से कतरा रही है। केंद्र सरकार के इस कारनामे से राज्य सरकारों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि देश में माल एवं सेवाओं की बिक्री के समय उस पर जीएसटी वसूला जाता है। जिसमें खाने-पीने का सामान हो, यात्रा बुकिंग हो या फिर बीमा प्रीमियम का भुगतान ऐसे सामान अथवा सेवाओं पर जीएसटी लगाया जाता है। लॉकडाउन के दौरान जीएसटी का भुगतान करने में तीन महीनों की मोहलत आम लोगों को दी गई थी। अब मोहलत समाप्त हो चुकी है और लोग अपने जीएसटी का भुगतान कर रहे हैं। इसी के तहत एक जनवरी (भाषा) माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने दिसंबर में एक नया रिकार्ड बनाया है। दिसंबर में कुल १.१५ लाख करोड़ रुपए की वसूली जीएसटी के तहत की गई है, जो कि किसी एक महीने में अब तक की सबसे अधिक वसूली रही है। दिसंबर, २०२० का यह जीएसटी संग्रह एक साल पहले के दिसंबर के मुकाबले १२ प्रतिशत अधिक है। वसूली गई इस जीएसटी के तहत महाराष्ट्र राज्य से सबसे अधिक २२,८४५ करोड़ रुपए, उत्तर प्रदेश राज्य से ११,७४२ करोड़ रुपए, गुजरात राज्य से ११,५६३ करोड़ रुपए और तमिलनाडु राज्य से ११,२६९ करोड़ रुपए की वसूली की गई है। इन आंकड़ों पर नजर डालें तो केंद्र सरकार जीएसटी की भारी वसूली कर रही है लेकिन उस जीएसटी में राज्य सरकार को दी जानेवाली भरपाई अब तक कई राज्यों को नहीं मिली है।

अन्नदाताओं पर आफत पीएम को खत लिख किसान ने दी जान

मुंबई, देश के अन्नदाताओं पर लगातार आफत बनी हुई है। किसान कभी प्राकृतिक आपदा से परेशान होते हैं तो कभी जंगली जानवरों और टिड्डियों के हमले उनकी फसल बर्बाद कर देते हैं। इस बीच केंद्र सरकार के किसान विरोधी कानून से किसान और संतप्त हो गए हैं। गत कई दिनों से वे लगातार दिल्ली बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन के दौरान कई किसान अपनी जान गंवा चुके हैं। ताजा घटनाक्रम में एक किसान का शव एक टायलेट से मिला, जबकि एक किसान ने प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपनी जान दे दी। इस बीच खबर है कि २६ जनवरी को किसान 'ट्रैक्टर किसान परेड' निकालकर अपना विरोध और तीव्र करेंगे। कांग्रेस ने इन घटनाओं पर केंद्र सरकार को घेरते हुए पूछा है कि आखिर सरकार को कितने सिर चाहिए। अब तो किसान बाकायदा पीएम का नाम लेकर जान देने लगे हैं। मेरे शरीर का अंग बेचकर चुका देना बिल! मोदी को पत्र लिखकर किसान ने दी जान मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के एक गांव में बिजली वितरण कंपनी के कथित उत्पीड़न से परेशान होकर एक ३५ वर्षीय किसान ने आत्महत्या कर ली। खुदकुशी करने से पहले किसान मुनेंद्र राजपूत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि उनके शरीर के हर एक हिस्से को बेचकर कंपनी का बकाया चुका दें। किसान नेताओं ने पुलिस से अपील की है कि मृतक किसान का पोस्टमार्टम न किया जाए, बल्कि पंचनामा कर उसका

शव परिजनों के हवाले कर दिया जाए।किसान के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि बिजली वितरण कंपनी (डिस्कॉम) के अधिकारियों ने महामारी के बीच ८७,००० की बिजली के बकाया बिल को लेकर आटा चक्की और मोटरसाइकिल जब्त कर ली। २६ जनवरी को 'ट्रैक्टर किसान परेड' नई दिल्ली। क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष दर्शन पाल ने अन्य किसान नेताओं के साथ बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि २३ जनवरी को किसान विभिन्न प्रदेशों में राज्यपाल भवन की तरफ मार्च करेंगे और २६ जनवरी को किसान 'ट्रैक्टर किसान परेड' निकालेंगे। यहीं बॉर्डर पर करना अंतिम संस्कार! एक और किसान की खुदकुशी नई दिल्ली। शनिवार तड़के जहां सुबह बारिश ने किसानों को परेशान किया, वहीं गाजीपुर बॉर्डर पर एक ७५ वर्षीय किसान ने शौचालय में आत्महत्या कर ली। किसान ने धरना स्थल पर लगाए गए शौचालय में फांसी लगाकर जान दे दी है। हालांकि, अभी तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सूत्रों के मुताबिक मृतक किसान का नाम कश्मीर सिंह बताया जा रहा है, जोकि बिलासपुर का रहनेवाला है। सुसाइड करने से पहले मृतक कश्मीर सिंह ने सुसाइड नोट छोड़ा है। इस सुसाइड नोट में कश्मीर सिंह ने आंदोलन कर रहे किसानों से बड़ी अपील की है। मृतक के सामने सुसाइड नोट में लिखा कि उसकी शहादत बेकार ना जाए। इसके अलावा मृतक कश्मीर सिंह ने अपनी अंतिम इच्छा भी लिखी है। सुसाइड से पहले कश्मीर सिंह ने लिखा कि यूपी-दिल्ली बॉर्डर पर ही उसका अंतिम संस्कार किया जाए। पीएम का नाम लेकर जान देने लगे हैं किसान कांग्रेस का आरोप

नई दिल्ली। छतरपुर में बिजली वितरण कंपनी द्वारा प्रताड़ित किए जाने के बाद किसान द्वारा आत्महत्या करने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को जमकर घेरा। कांग्रेस का कहना है कि अब किसान सीधे तौर पर प्रधानमंत्री का नाम लेकर अपनी जान दे रहे हैं। दिल्ली की सीमा से लेकर मध्य प्रदेश के खेतों तक भाजपाई व्यवस्था किसानों की जान ले रही है। आखिर सरकार कब जागेगी। इसके अलावा कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने किसानों की आत्महत्या पर कहा है कि नए साल पर एक और कुर्बानी! उन्होंने कहा कि किश्तों में जान लेने की बजाय भाजपा यह तय कर ले कि उसे आखिर कितने सिर चाहिए। खून से प्यास बुझा ले और कानून वापस ले ले।

किसानों का सरकार को अल्टीमेटम, कहा- डिमांड पूरी नहीं हुई तो 26 जनवरी को निकालेंगे ट्रैक्टर परेड

नई दिल्ली, नए कृषि कानून पर सरकार और किसानों के बीच चल रहा गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। सरकार के साथ बातचीत के लिए एक और बैठक से ठीक 48 घंटे पहले किसान संगठनों की सात सदस्य राष्ट्रीय समन्वय समिति ने दिल्ली प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस करीब एक घंटे तक चली। समिति के सदस्यों ने कहा कि वह अपनी बात राष्ट्रीय मीडिया तक पहुंचाना चाहते थे, लिहाजा उन्हें प्रेस क्लब का रुख करना पड़ा। सरकार पर आरोपों की बौछार किसान संगठन के सदस्यों ने फिर से सरकार पर आरोपों की बौछार लगाते हुए कहा कि सरकार का रवैया बात करने के अनुकूल नहीं है, वह लगातार कृषि कानूनों पर झूठ बोल रही है। सरकार अपने अहंकार पर अड़ी हुई है। लेकिन, हमने भी यह साफ कर दिया है कि जब तक कानून वापस नहीं होता, हम पीछे नहीं हटेंगे। यह आंदोलन पिछले चार महीनों से चला आ रहा है, आगे भी चलता रहेगा।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।